डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

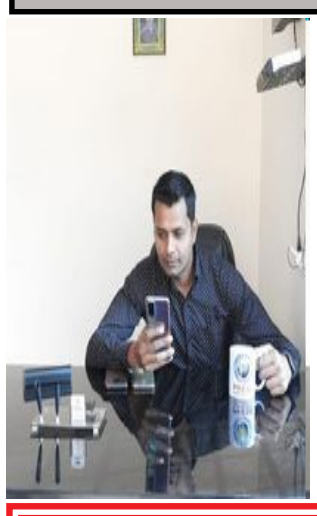

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -124 | प्रयागराज ,शनिवार,22,जुलाई, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा उपाध्यक्षों के नए पैनल का हुआ पुनर्गठन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सदन के उच्च सदन के उपाध्यक्षों के पैनल को पुनर्गठित किया। इस पैनल की आधी सदस्य महिलाएं हैं। राज्यसभा सदस्यों में से नए उपाध्यक्षों में पीटी उषा, एस फांगनोन कोन्याक, फौजिया खान, सुलता देव, वी. विजयसाई रेड्डी, घनश्याम तिवारी, एल हनुमंथैया और सुखेंदु शेखर रे शामिल हैं क्या कहते हैं नियम राज्यसभा के नियमों के अनुसार, सभापति समय-समय पर सदन के सदस्यों में से छह से अधिक उपसभापतियों का एक पैनल नामित करेगा। इनमें से एक सभापति की अनुपस्थिति में सदन की अध्यक्षता कर सकता है। नियमों के मुताबिक, उप-नियम (1) के तहत नामित उपाध्यक्ष नया पैनल नामित नहीं होने तक अपने पद पर रहेगा। राज्यसभा अध्यक्ष धनखड़ ने सदन को सूचित किया कि उन्हें गत 11 अप्रैल को बंगाल से राज्यसभा सदस्य लुइान्हो फलेइरो का त्याग पत्र मिला और उसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

मणिपुर में सारी हदें हुईं पार, मानवता शर्मसार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में दो आदिवासी महिलाओं को नग्न कर घुमाने वाली भीड़ में शामिल और एक पीड़िता को घसीटने वाले व्यक्ति सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। महिलाओं को नग्न कर घुमाने की इस घटना की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित तमाम लोगों ने निंदा की। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में दो आदिवासी महिलाओं को नग्न कर घुमाने वाली भीड़ में शामिल और एक पीड़िता को घसीटने वाले व्यक्ति सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शाम को बताया था कि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके कुछ ही घंटों बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

नाबालिग के साथ यौन शोषण मामले में चर्च के फादर पर मामला दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
कर्नाटक। चर्च के पादरी फादर फ्रांसिस फर्नांडिस पर चर्च से संबद्ध कॉलेज में एक नाबालिग के साथ यौन शोषण करने के आरोप में इ्रण्एध् के तहत मामला दर्ज किया गया है। फादर फ्रांसिस को अदालत में पेश किया गया और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसकी जानकारी शिवमोग्गा पुलिस ने दी है। चर्च के पादरी फादर फ्रांसिस फर्नांडिस पर चर्च से संबद्ध कॉलेज में एक नाबालिग के साथ यौन शोषण करने के आरोप में इ्रण्एध् के तहत मामला दर्ज किया गया है। फादर को अदालत में पेश किया गया और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसकी जानकारी शिवमोग्गा पुलिस ने दी है। बंजारा समुदाय के सदस्यों ने शिवमोग्गा में पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया। वहीं, दूसरी ओर बंजारा समुदाय के सदस्यों ने अपने समुदाय की एक नाबालिग का कथित तौर पर यौन शोषण करने के आरोप में चर्च के पादरी के खिलाफ शिवमोग्गा में पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात सरकार और पूर्णेश मोदी को एसी का नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में दोषी करार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज

सुनवाई हुई। कोर्ट ने गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात सरकार और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी को नोटिस जारी किया है। बता दें कि गुजरात हाई कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था, जिसमें सूरत अदालत ने 'मोदी' मामले में उन्हें दो साल जेल की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ मामले पर सुनवाई के बाद गुजरात सरकार और पूर्णेश मोदी से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ 18 जुलाई को वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले का उल्लेख करने और तत्काल सुनवाई की मांग करने के बाद गांधी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुई थी। राहुल गांधी को अगर सुप्रीम कोर्ट से आने वाले दिनों में राहत नहीं मिलती है तो वे 2031 तक कोई चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। दरअसल, नियमानुसार सजा पूरी होने के छह साल बाद तक कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकता है। इसी कारण राहुल दो साल की सजा के बाद अगले छह साल मतलब 2031 तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। अपनी अपील में राहुल गांधी ने कहा है कि अगर 7 जुलाई के ण्ण् के फैसले पर रोक नहीं लगाई गई, तो इससे अभिव्यक्ति और विचार का गला घोंट दिया जाएगा। बता दें कि गुजरात सरकार में पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने 13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल द्वारा की गई टिप्पणी ठसभी चोरों का सामान्य उपनाम मोदी हैठ को लेकर गांधी के खिलाफ 2019 में आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था।

समर्थकों संग धरने पर बैठे केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

(आधुनिक समाचार सेवा)
हैदराबाद। हैदराबाद में गुरुवार को उस समय खूब हंगामा हुआ, जब पुलिस ने केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को गरीबों के लिए बनाई जा रही आवासीय परियोजना का दौरा करने से रोक दिया। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में केंद्रीय मंत्री अपने समर्थकों संग धरने पर बैठ गए। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं को समझाने की कोशिश की। हालांकि जब भाजपा नेता नहीं माने तो पुलिस ने केंद्रीय मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं को धरना स्थल से हिरासत में लिया। इससे पहले दौरा रोकने के लिए भाजपा के कई नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया

गया या एहतियातन हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए रेड्डी ने ऐलान किया कि राज्य की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के खिलाफ युद्ध शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि क्या मैं अपराधी हूं क्या मैं आतंकवादी हूं भारत में कहीं भी जाने का मुझे अधिकार है। किशन रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार लोगों से धोखा कर रही है। सरकार द्वारा निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद लोगों को घर नहीं दिए जा रहे हैं। आज केंद्रीय मंत्री होने के नाते मैं बाता सिंगाराम जाकर वहां बनाए जा रहे डबल बेडरूम वाले घरों का दौरा करना चाहता था लेकिन भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया बोले, जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए बने खाद्य सुरक्षा मानक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को

कहा कि दूषित खानपान, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पोषण में असंतुलन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर विस्तृत चर्चा के बाद सार्वभौमिक खाद्य सुरक्षा मानकों के साथ-साथ देश-केंद्रित मानक भी तैयार करने की जरूरत है। मांडविया ने यहां आयोजित वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन-2023 का उद्घाटन करते हुए कहा, इस दो-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने जी-20 कार्यक्रम के रूप में पहली बार किया है। इसमें 40 से अधिक देशों के खाद्य नियामक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि संतुलित, सुरक्षित व पौष्टिक भोजन प्रिवेंटिव केयर के रूप में कार्य करता है और हमारे स्वास्थ्य व कल्याण को सुनिश्चित करता है। सुरक्षित भोजन और अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। मांडविया ने घरों में रसोई और योग के महत्व पर जोर दिया और कहा वे किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए प्रिवेंटिव केयर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वैश्विक खाद्य नियामकों से मानक बनाते समय जलवायु, मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पौधों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखने को कहा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने तैयार किया भूजल संरक्षण मॉडल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने गुरुवार को संसद को बताया कि 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भूजल कानून को लागू किया है। इस कानून में वर्षा जल संचयन का प्रविधान शामिल है। लोकसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने बताया कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपयुक्त भूजल कानून बनाने में सक्षम बनाने के लिए माडल विधेयक तैयार किया है। टुडू ने बताया कि अब तक जिन 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने माडल विधेयक की तर्ज पर भूजल कानून को लागू किया है इनमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, नगालैंड, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बंगाल, चंडीगढ़ (नियम और उपनियम), दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं।

जी20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा- रोजगार का मुख्य चालक बन गई टेक्नोलॉजी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 21 जुलाई (शुक्रवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उ20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान भी बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां निकालने का अनुभव है पीएम मोदी ने कहा, ठचौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में, प्रौद्योगिकी रोजगार का मुख्य चालक बन गई है और आगे भी बनी रहेगी। यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास पिछले ऐसे प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां पैदा करने का अनुभव है। उन्होंने कहा, ठहम सभी को अपने कार्यबल को उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के उपयोग में कुशल बनाने की आवश्यकता है। स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग भविष्य के कार्यबल के लिए मंत्र हैं। भारत में हमारा 'स्किल इंडिया मिशन' इसी वास्तविकता से जुड़ने का एक अभियान है भारत के पास कौशल

कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाता बनने की क्षमता कोविड काल में फ्रंटलाइन कर्मचारियों के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ठकोविड के दौरान भारत में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अद्भुत काम ने उनके कौशल और समर्पण को दिखाया। यह हमारी सेवा और जुनून की संस्कृति को भी दर्शाता है। दरअसल, भारत में दुनिया में कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की क्षमता है स्किल इंडिया मिशन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ठलचीली कार्य व्यवस्था प्रदान करता है और आय स्रोतों की भी पूर्ति करता है। इसमें विशेषकर युवाओं के लिए लाभकारी रोजगार पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं। यह महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण भी हो सकता है। इसकी क्षमता का एहसास करने के लिए, हमें नए जमाने के श्रमिकों के लिए नए जमाने की नीतियां और हस्तक्षेप डिजाइन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ठइन कर्मचारियों और श्रमिकों के संबंध में आंकड़े, सूचना और डेटा साझा करना शुरुआत करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। यह दुनिया भर के देशों को बेहतर कौशल, कार्यबल योजना और लाभकारी रोजगार के लिए साक्ष्य आधारित नीतियां बनाने के लिए सशक्त बनाएगा।ठपीएम मोदी ने कहा, ठअब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझाकरण को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। उ20 को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता आवश्यकताओं के आधार पर व्यवसायों का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करने के आपके प्रयासों की सराहना करता हूं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय तथा प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी के नए मॉडल की आवश्यकता है। कहा, अब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझेदारी को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। उ20 को इसमें मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता के आधार पर पासपोर्ट का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करना चाहता हूं।

मणिपुर हिंसा को लेकर ममता बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने का वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा पर हमला

बोला। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम के बयान की आलोचना की। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडिया' का जिक्र करते हुए कहा कि हम दूसरी पार्टी के नेताओं से बातचीत करेंगे। अगर सभी सहमत होते हैं तो इंडिया के कुछ मुख्यमंत्री जल्द मणिपुर का दौरा करेंगे। इंडिया देश की एकता के लिए खड़ा है बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब राहुल गांधी मणिपुर जा सकते हैं तो फिर प्रधानमंत्री क्यों नहीं? आखिर देश का प्रधानमंत्री कौन है? तेजस्वी ने कहा कि मणिपुर में काफी दिनों से हिंसा हो रही। अभी तक प्रधानमंत्री वहां क्यों नहीं गए? जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि मणिपुर में 56 इंच सीना वाली डबल इंजन की सरकार की छत्रछाया में बहुसंख्यक, शोषित-वंचित व गरीब तबके के लोगों को रौंदा जा रहा है। महिलाओं पर अत्याचार की सारी हदें लांघ दी गई हैं। पता नहीं प्रधानमंत्री को मानवता के प्रति संवेदना है या नहीं लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश ने इसे सभ्यता का चीरहरण बताया है। सपा मुखिया ने कई ट्वीट किए। उन्होंने कहा, 'मणिपुर में सभ्यता का चीरहरण हुआ है और संस्कृति का पाताल-पतन।' बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, 'मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिंतित है, महिला के साथ अभद्रता की ताजा घटना खासकर भाजपा व उनकी सरकार को शर्मसार करने वाली है।

उम्र समूह के आधार पर होगा फिल्मों का वर्गीकरण, हंगामे के बीच सिनेमैटोग्राफ संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म सामग्री की

पायरेसी से निपटने और सृजनात्मक उद्योग की सुरक्षा करने के उद्देश्य से गुरुवार को राज्यसभा में सिनेमैटोग्राफ संशोधन विधेयक, 2023 पेश किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विधेयक में फिल्मों को वर्तमान 'यू', 'यूए' और 'ए' श्रेणी में वर्गीकृत करने के बजाय उम्र समूह के आधार पर वर्गीकृत करने का भी प्रविधान है। मणिपुर के हालात पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने उच्च सदन में इस विधेयक को पेश किया। इससे पहले उन्होंने सिनेमैटोग्राफ संशोधन विधेयक, 2019 वापस लेने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसकी हंगामे के बीच सदन ने स्वीकृति प्रदान कर दी। पेश किए गए नए विधेयक का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि फिल्म सामग्री को पायरेसी के कारण नुकसान न हो क्योंकि इस समस्या से उद्योग को भारी नुकसान होता है। क्रांतिकारी सबित होगा यह कदम पूर्व में अनुराग ठाकुर कह चुके हैं कि यह विधेयक भारतीय फिल्मों को बढ़ावा देने और स्थानीय सामग्री को वैश्विक बनाने में मदद करने की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इस विधेयक के जरिये सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1954 में संधोशन का प्रस्ताव है।

10 सालों में 14 बिजली वितरण कंपनियां अस्तित्व में आईं, आरके सिंह बोले- राजस्व वसूली में हुआ सुधार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में बताया कि पिछले 10 सालों के दौरान 14 नई बिजली वितरण कंपनियां (डिस्काम) अस्तित्व में आई हैं और इस तरह देश में इनकी कुल संख्या 109 हो गई है। खास बात यह है कि बिजली भले ही समवर्ती सूची में है, लेकिन अधिकांश राज्यों की बिजली कंपनियां वितरण के कारोबार में संलग्न हैं। बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि वर्तमान में 180 कंपनियां बिजली उत्पादन के काम में लगी हुई हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत डिस्काम में किए गए सुधारों ने पहले वर्ष में वांछित परिणाम दिखाने शुरू कर दिए हैं। जुलाई 2021 में आरडीएसएस को लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य बिजली वितरण क्षेत्र में बदलाव लाना था। बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि वर्तमान में 180 कंपनियां बिजली उत्पादन के काम में लगी हुई हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (अ्एए) के तहत डिस्काम में किए गए सुधारों ने पहले वर्ष में वांछित परिणाम दिखाने शुरू कर दिए हैं। जुलाई, 2021 में आरडीएसएस को लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य बिजली वितरण क्षेत्र में बदलाव लाना

था।सिंह ने कहा कि देश में बिजली वितरण उपयोगिता का औसत कुल तकनीक व वाणिज्यिक नुकसान वित्त वर्ष 2020-21 में 22.32 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2021-22 में 16.44 प्रतिशत हो गया है। इतना ही नहीं डिस्काम द्वारा की जाने वाले औसत राजस्व वसूली में भी सुधार हुआ है सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को संसद में बताया कि केंद्र सरकार ने 2023-24 में लगभग 13,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के निर्माण का लक्ष्य रखा है। निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले जून, 2023 तक 2,250 किमी सड़का का निर्माण किया जा चुका है। गडकरी ने यह भी बताया कि वर्तमान में सड़क बनाने में जिस सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, वह मुकाबले बेहतर है। पिछले नौ वर्षों में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई लगभग 59 प्रतिशत बढ़ गई है। गडकरी के मुताबिक, देश के पास अब अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। सड़क निर्माण में सरकार द्वारा की गई हरित पहल पर गडकरी ने बताया कि उनके मंत्रालय ने दिल्ली रिंग रोड परियोजना के लिए सड़क निर्माण में 30 लाख टन कचरे का उपयोग किया है।उन्होंने बताया कि सरकार देश में वीजा व्यवस्था को आसान बनाने के लिए गृह और विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रही है। हवाई किराये में हस्तक्षेप का इरादा नहीं नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा में कहा कि हवाई किराये के मौजूदा नियामकीय ढांचे में हस्तक्षेप करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। बता दें कि हवाई टिकटों की कीमतें सरकार द्वारा रेगुलेट नहीं होती हैं।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति माननीया सुनीता अग्रवाल का विदाई समारोह ,हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ,इलाहाबाद के द्वारा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के ऐतिहासिक लाइब्रेरी हाल में 20.07.2023 (बृहस्पतिवार) यानी आज वरिष्ठ न्यायमूर्ति माननीया सुनीता अग्रवाल का विदाई समारोह हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसका संचालन अजय कुमार मिश्र (अजय जयहिन्द) उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। वही कार्यक्रम के आरम्भ में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, महासचिव नितिन शर्मा सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि एवं गुजरात उच्च न्यायालय की मा0 मुख्य न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। उक्त अवसर पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन कहा कि माननीया वरिष्ठ न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल के गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति नियुक्त होने की सूचना मिलते ही हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी सहित सभी सम्मानित सदस्यों में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। ऐसा होना भी स्वाभाविक है, क्योंकि मा0 मुख्य अतिथि सुनीता अग्रवाल जी चाहे वह न्याय कक्ष में हों या न्याय कक्ष के बाहर हो, जिस आत्मीयता के साथ सम्मानित अधिवक्ताओं का सहयोग करती रहीं, यह सम्पूर्ण हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लिए अविस्मरणीय रहेगा। मैं ऐसा मानता हूँ कि आप केवल अदालत में ही

न्यायमूर्ति हैं, बाहर तो आप हमारे परिवार के सदस्य हैं। जिस प्रकार आपकी लोकप्रियता मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रही, इससे कहीं ज्यादा गुजरात उच्च न्यायालय में आपकी लोकप्रिय हों, मैं यही ईश्वर से कामना करता हूँ। मुख्य अतिथि मा0 मुख्य न्यायमूर्ति, गुजरात उच्च न्यायालय सुनीता अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में जिस तरह से मेरा स्वागत एवं अभिनन्दन हुआ है, इसके लिए मैं सभी सम्मानित अधिवक्ताओं सहित अध्यक्ष की बहुत आभारी हूँ। इसी क्रम में उन्होंने आगे कहा कि शुरूआत में मा0 उच्च न्यायालय में हम बहुत डरते रहे और आज मैं मा0 उच्च न्यायालय से इस तरह से विदा हो रही हूँ, मुझे विश्वास ही नही हो रहा है, इसमें ईश्वर की बहुत बड़ी कृपा है। ईश्वर ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि उस जिम्मेदारी को निभाने एवं इस दौरान जाने-अंजाने में मुझसे कुछ गलत न होने पाये, इसमें ईश्वर पूरी तरह से मेरी मदद करें। उन्होंने यह भी कि आज मैं जिस मुकाम पर हूँ, वह सब ईश्वर की देन है और यह सब इस संस्था (हाईकोर्ट बार एसोसिएशन) से प्राप्त हुआ है। हम सभी को इस संस्था का सम्मान करना नैतिक जिम्मेदारी है। मुझे नये अधिवक्ताओं से आशा ही नही पूरा विश्वास है कि वह अपने कार्यो को बहुत ही ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अच्छा से अच्छा करने की कोशिश करेगें। धन्यवाद ज्ञापन के अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में उपस्थित मा0 मुख्य अतिथि सहित सभी अधिवक्ताओं का आभार व धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि हमारे ही बीच की बहन इतने बड़े पद को सुशोभित करने जा रही हैं, यह हम सभी, विशेष कर कार्यक्रम में उपस्थित हमारी बहनों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा मा0 मुख्य अतिथि सुनीता अग्रवाल गुजरात उच्च न्यायालय में एक नया कीर्तिमान स्थापित करें, यही मेरी हृदय से शुभकामना हैं।उक्त अवसर पर अमित के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सर्वश्री आशुतोष पाण्डेय, अशोक कुमार त्रिपाठी, अजय कुमार मिश्र (अजय जय हिन्द), अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, स्वर्ण लता सुमन (उपाध्यक्षगण), सर्वेश कुमार दुबे (संयुक्त सचिव, प्रशासन), अजय सिंह (संयुक्त सचिव लाइब्रेरी), अमरेन्दु सिंह, (संयुक्त सचिव प्रेस), अंजना चतुर्वेदी (संयुक्त सचिव, महिला), आशीष कुमार मिश्र (कोषाध्यक्ष), प्रीति द्विवेदी, सरिता सिंह, अभ्युदय त्रिपाठी, विनोद राय, अमित कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश विश्वकर्मा (ओ.पी. विश्वकर्मा), अरविन्द कुमार सिंह, अरूण कुमार त्रिपाठी, आशुतोष मिश्र (नगरहा), सुधीर कुमार वेज़सरवानी (एस0वेज़0 वेज़सरवानी), साइमा सहेर, अनिरूद्ध ओझा, अनिल कुमार मिश्र, गुलाब सिंह यादव एवं अनिल प्रताप सिंह (कार्यकारिणी सदस्यगण) सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

हैवान आरिफ को आज भेजा जाएगा जेल, बोला परेशान होकर दिया घटना को अंजाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। करेली के बारह मार्केट के रहने वाले आरिफ ने अपनी मां अनीसा बेगम और बहन नाहिदा की हत्या के बाद पिता मो. कादिर को भी चापड़ मारकर अधमरा कर दिया था। उसने अपने भतीजा हसनैन पर चापड़ से वार किया था लेकिन वह पड़ोसी की छत पर कूद गया था। अपनी ही बूढ़ी मां हड़पने के फिराक में थे। मां-बाप भी उन्हीं के साथ थे। उसे लगातार बेइज्जत किया जाता था। करेली के बारह मार्केट के रहने वाले आरिफ ने अपनी मां अनीसा बेगम और बहन नाहिदा की हत्या के बाद पिता मो. कादिर को भी चापड़ मारकर अधमरा कर दिया था। उसने अपने भतीजा हसनैन पर चापड़ से वार किया था लेकिन वह

और बहन के कातिल आरिफ को शुक्रवार को जेल भेजा जाएगा। पुलिस ने उसे बुधवार को ही पकड़ लिया था लेकिन वह घायल था। उपचार के बाद बृहस्पतिवार को उसकी औपचारिक गिरफ्तारी दिखाई गई। उसने बयान दिया है कि घर वालों से परेशान होकर उसने घटना को अंजाम दिया। उसका भाई आजम और बहन नाहिदा उर्फ निकहत जहां पूरा घर पड़ोसी की छत पर कूद गया था। जिससे उसकी जान बच गई। आरिफ ने पड़ोसियों और पुलिस वालों पर पर तेजाब से भरी बोतलों से हमला कर दिया। जिसमें कई सिपाही और पड़ोसी भी मामूली रूप से जख्मी हो गए थे। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए मिर्ची बम और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया। इसके बाद उसे पकड़ा गया था। आरिफ के चेहरे पर भी काफी चोटें थीं। उसका उपचार कराके औपचारिक रूप से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उसे जेल भेजा जाएगा। पूछताछ में उसने बताया कि पिता मो. कादिर ने दो मंजिला मकान बनवाया था। ऊपर का पूरा हिस्सा आजम ने ले लिया था। नीचे एक कमरे में वह अपनी पत्नी नौशीन और बच्ची शुबा के साथ रह रहा था।इसी हिस्से में मां-बाप, बहन और भांजा अम्मार उर्फ अरमान भी रहता था। वह मां-बाप से यही कहता था कि घर बेचकर उसे उसका हिस्सा दे दिया जाय लेकिन उसकी बात सुनने को कोई तैयार नहीं था। मां-बाप हमेशा आजम और नाहिदा का पक्ष लेते थे। उसे लगातार बेइज्जत किया जाता था। पत्नी बच्ची के सामने भी उसी को खरी खोटी सुनाई जाती थी। वह काफी दिनों से यह सब करने का प्लान बना रहा था। उसने कई दुकानदारों से टायलेट साफ करने वाली सैकड़ों बोतल खरीदी थी। बुधवार को मौका देखकर उसने घर वालों पर हमला कर दिया। आरिफ ने पुलिस को बयान दिया है कि उसने अपने भाई आजम, भाभी शबाना और बहन नाहिदा को मारने की पूरी योजना बनाई थी। मां अनीसा बेगम और पिता मो. कादिर उसके रास्ते में आ गए। उसे रोकने लगे, इस कारण उन्हें मारना पड़ा।

हाल में ही रेलयात्रा के दौरान हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति को हुई असुविधा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पर प्रोटोकॉल प्रभारी की ओर से रेलवे को लिखे पत्र पर सीजेआई न्यायमूर्ति डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने देश के सभी जजों को कहा है कि प्रोटोकॉल के तहत मिलने वाली सुविधा आपका विशेषाधिकार नहीं है। सीजेआई ने कहा है कि सुविधाओं का ऐसा इस्तेमाल करें कि दूसरों को तकलीफ न उठानी पड़े। देश के सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को लिखे पत्र में सीजेआई ने कहा है कि वो अपने साथी जजों के साथ आत्मचिंतन करें कि जजों को मिलने वाली प्रोटोकॉल की सुविधाओं का उपयोग इस तरह किया जाए, जिससे न दूसरों की असुविधा हो और न ही न्यायपालिका को सार्वजनिक आलोचना का सामना करना पड़े। सीजेआई ने यह भी कहा है कि प्रोटोकॉल प्रभारी की ओर से लिखा गया पत्र न्यायपालिका के अंदर और बाहर बेचैनी पैदा करने वाला है। उच्च न्यायालय के किसी भी अधिकारी के पास रेलकर्मियों से

स्पष्टीकरण मांगने का कोई अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों दिल्ली से प्रयागराज की यात्रा के दौरान पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में हाईकोर्ट के एक जज को तमाम असुविधाओं का सामना करना पड़ा था जिस पर हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल प्रभारी ने पत्र लिख कर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से संबंधित रेलकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने और उसे नाराज न्यायमूर्ति के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया था। यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से सुर्खियों में है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने इसे गंभीरता से लिया है और सख्त टिप्पणी के साथ कहा है कि जजों को प्रोटोकॉल के तहत मिलने वाली सुविधा का दावा उन्हें अधिकार के रूप में नहीं करना चाहिए। सीजेआई ने यह भी कहा है कि सुविधाओं का उपभोग इस तरह भी नहीं करना चाहिए कि आम लोगों के मन में न्यायपालिका और न्यायाधीश के प्रति विश्वास में कमी महसूस होने लगे।

जस्टिस बजाज व जस्टिस रमेश सोमवार को शपथ लेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आ रहे जस्टिस मनोज बजाज और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आ रहे डोनाडी रमेश सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश की शपथ लेंगे। रजिस्ट्रार प्रोटोकाल आशीष कुमार श्रीवास्तव के अनुसार चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे अपने न्याय कक्ष में आयोजित सादे समारोह में अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में दोनों स्थानांतरित न्यायाधीशों को शपथ दिलाएंगे।

प्रयागराज: कम्पोजिट विद्यालय के दो छात्र गर्मी की उमस से हुए बेहोश, मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के धनूपुर ब्लॉक के परिषदीय कम्पोजिट

विद्यालय खिजिरपुर में शिक्षण कार्य के दौरान गर्मी की उमस के चलते 2 छात्र बेहोश हो गए। कक्षा एक की छात्रा जूली तथा कक्षा 6 के छात्र अनुजकुमार के बेहोश हो जाने पर शिक्षकों ने तत्काल पानी का का छीटा देकर छात्रों को राहत पहुंचाया। प्रधानाध्यापक वैभव कुशवाहा ने बताया कि अधिक गर्मी के मस्त उमस का शिकार हुए दोनों छात्रों के अभिभावक को विद्यालय बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ धनूपुर इकाई के संयोजक अफरोज अहमद ने उच्चाधिकारियों से शिक्षण कार्य का समय प्रातः 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किए जाने की मांग की।

सी जे आई जस्टिस चंद्रचूड़ का सभी मुख्य न्यायाधीशो को पत्र में कहा न्यायमूर्ति के प्रोटोकॉल का इस्तेमाल ऐसा न हो जिससे आम लोगों को हो परेशानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सीजेआई जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने ट्रेन में यात्रा के दौरान एक न्यायाधीश को हुई असुविधा के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा हाईकोर्ट न्यायमूर्ति के पास रेलवे कर्मियों पर अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार नहीं है। इसलिए उच्च न्यायालय के

रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल द्वारा रेलवे प्रबंधक से मांगे गए स्पष्टीकरण के मामले में अपनी चिंता साझा करने के लिए सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को पत्र लिखा है। सीजेआई ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रोटोकॉल अनुभाग के प्रभारी रजिस्ट्रार द्वारा क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधक को संबोधित 14 जुलाई 2023 के एक पत्र की ओर ध्यान आकर्षित हुआ है। यह पत्र उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की इच्छा है जो अपनी पत्नी के साथ किसी अधिकारी के लिए रेलवेकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने का कोई अवसर नहीं था। जाहिर है,उच्च न्यायालय का अधिकारी इस मामले में न्यायमूर्ति के निर्देश का पालन कर रहा था (ठमाननीय न्यायाधीश की इच्छा हैठ)।उच्च न्यायालय के एक अधिकारी द्वारा रेलवे प्रतिष्ठान के महाप्रबंधक को संबोधित पत्र ने न्यायपालिका के भीतर और बाहर दोनों जगह प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। न्यायाधीशों को उपलब्ध कराई गई प्रोटोकॉल सुविधाओं का उपयोग विशेषाधिकार के दावे पर जोर देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, जो उन्हें समाज से अलग करता है या शक्ति या अधिकार की अभिव्यक्ति के रूप में उपयोग करता है। न्यायिक प्राधिकार का बुद्धिमानीपूर्ण प्रयोग, बेंच के अंदर और बाहर दोनों जगह, न्यायपालिका की विश्वसनीयता और वैधता तथा समाज के न्यायाधीशों पर विश्वास को कायम रखता है। मैं इसे उच्च न्यायालयों के सभी मुख्य न्यायाधीशों को इस आग्रह के साथ लिख रहा हूं कि वे इन चिंताओं को उच्च न्यायालयों के सभी सहयोगियों के साथ साझा करें। न्यायपालिका के भीतर आत्मचिंतन और परामर्श आवश्यक है। न्यायाधीशों को उपलब्ध कराई जाने वाली प्रोटोकॉल सुविधाओं का उपयोग इस तरह से नहीं किया जाना चाहिए जिससे दूसरों को असुविधा हो या न्यायपालिका की सार्वजनिक आलोचना हो। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह एक पत्र सामने आया था, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल ने रेलवे के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को ट्रेन में यात्रा करते समय हुई असुविधा के लिए स्पष्टीकरण मांगा था।जिसको लेकर सी जे आई ने चिंता जाहिर की है।

राष्ट्रपति मूर्मू ने सांसद रीता जोशी को जन्मदिन पर दी बधाई, पूर्व संध्या पर भेजीं शुभकामनाए

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इलाहाबाद की सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी को जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर बधाई संदेश प्रेषित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने इलाहाबाद सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर बधाई संदेश प्रेषित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इलाहाबाद की सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी को जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर बधाई संदेश प्रेषित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने इलाहाबाद सांसद

प्रो रीता बहुगुणा जोशी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर बधाई संदेश प्रेषित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुर्मू ने बधाई संदेश में कहा कि ईश्वर आपको और प्रसन्न रखें और आने वाले कई वर्षों तक आप राष्ट्र की अनवरत एवं निष्ठापूर्वक सेवा करती रहें।

भवन की जमीन पर कब्जा हटाने पहुंची रेलवे पुलिस की टीम विरोध कर रहे लोग हिरासत में

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। के राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ पर कब्जा हटाने के लिए शनिवार की सुबह रेलवे पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को एडीएम सिटी के निर्देश पर पुलिस हिरासत में ले रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारत सर्व सेवा संघ की याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद रेलवे प्रशासन भवन ध्वस्तीकरण की तैयारी में जुट गया। शनिवार सुबह पुलिस और प्रशासन टीम जब ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची तो प्रदर्शकारियों ने इसका विरोध किया। जिसके बाद एडीएम सिटी के निर्देश पर पुलिस ने विरोध कर रहे कई लोगों को हिरासत में ले लिया। बता दें कि वाराणसी के राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के भवनों के ध्वस्तीकरण को लेकर प्रशासन और संघ के बीच काफी समय से खींचतान चल रही है। संघ से जुड़े लोगों ने धरना-प्रदर्शन के जरिये अपनी आवाज बुलंद की। उधर, ध्वस्तीकरण की जानकारी पाकर दिल्ली से बड़ी संख्या में गांधीवादी पहुंचे। सर्व सेवा संघ के कार्यक्रम समन्वयक रामधीरज ने बताया कि यह सरकार महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू सहित आजादी के नायकों की छवि खराब करने व

राष्ट्रीय धरोहरों को नष्ट करने पर आमादा है। जलियांवाला बाग और साबरमती आश्रम को बदलकर इस सरकार ने पर्यटन स्थल बना दिया है। इसी प्रकार जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित सर्व सेवा संघ और गांधी आश्रम को भी तोड़कर यहां गेस्ट हाउस बनाना चाह रही है। रेलवे और जिला प्रशासन को आगे करके सर्व सेवा संघ की जमीन एडिट को भी फर्जी साबित करने की कोशिश की जा रही है। इस मामले को लेकर सर्वे सेवा संघ द्वारा सुप्रीम, हाईकोर्ट और जिला न्यायालय में पहले ही याचिका दायर की गई है। मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोबारा सर्व सेवा संघ की भूमि के मालिकाना हक को लेकर जिला न्यायालय में वाद पर सुनवाई होना सुनिश्चित किया गया है।सत्याग्रहियों ने आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत के काशी प्रवास पर होने के कारण उनसे सामूहिक अपील की। उन्होंने कहा कि भूदान आंदोलन के प्रणेता संत विनोबा भावे ने वाराणसी के राजघाट में साधना केंद्र की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य था समाज कार्य व राष्ट्र निर्माण के लिए युवक व युवतियों को तैयार करना। सरसंचालक से अपील की गई कि इस तरह की गतिविधियां तत्काल रुकवाएं। अन्यथा देश की एक बड़ी महत्वपूर्ण विरासत ध्वस्त हो जाएगी।

रिटायर्ड दारोगा की तलाकशुदा बेटी ने फांसी लगाकर दी जान पिता ने किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। दीनानाथ दुबे ने बताया कि मेरी पुत्री गरिमा नशे की आदि थी। उसने नशे में यह कदम उठाया है। उसकी शादी वर्ष 2009 में हुई थी। वाराणसी में चौबेपुर क्षेत्र के मुनारी गांव में एक तलाकशुदा युवती की आत्महत्या की खबर है। बताया जा रहा है कि मुनारी गांव निवासी रिटायर्ड सबइंस्पेक्टर दीनानाथ दुबे की बेटी नशे की आदि थी। शुक्रवार की रात बेटी ग्यारह बजे के बाद घर आई तो पिता दीनानाथ दुबे ने डांट लगाई।डांटने फटकारने पर वो कमरे के अंदर जाकर दरवाजा बंद कर चादर के सहारे पंखे से झूल गयी।

दीनानाथ दुबे ने बताया कि मेरी पुत्री गरिमा नशे की आदि थी। उसने नशे में यह कदम उठाया है। उसकी शादी वर्ष 2009 में हुई थी। न्यायालय से तलाक हो चुका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संघ प्रमुख ने हनुमान जी को लगाया 76 मन लड्डू का भोग

(आधुनिक समाचार सेवा)

विंध्याचल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को मिर्जापुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को महुआरी कला स्थित देवरहा हंस आश्रम स्थित हनुमान मंदिर में 76 मन बेसन के लड्डू का भोग लगाया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूका-अर्चना की। इसके बाद हनुमान मंदिर के ठीक सामने कल्पवृक्ष का पौधा लगाया। मोहन भागवत ने पूजा-अर्चना के बाद भक्त निवास में जलपान किया। इसके बाद मां विंध्यवासिनी के दरबार पहुंचे। पुरानी वीआईपी मार्ग से पहुंचे संघ प्रमुख के लिए सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सुबह साढ़े आठ बजे से ही मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर को पूरी तरीके से खाली करा लिया गया था। आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन-पूजन रोक दिया गया था। मंदिर पहुंचने पर वे गणेश द्वार से होते हुए गर्भगृह में पहुंचे। संघ प्रमुख ने विधि विधान से मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। दर्शन पूजन कर बाहर

निकले मोहन भागवत का मां विंध्यवासिनी का चित्र एवं पुष्पगुच्छ देकर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने स्वागत किया। मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में विराजमान समस्त देवी-देवताओं का दर्शन-पूजन कर उन्होंने मां के फरहरा (पताका) का दर्शन भी किया। उन्होंने त्रिकोण परिक्रमा पथ में विराजमान काली खोह में महाकाली मंदिर के गर्भगृह में पूजन किया। काली खोह के पश्चात मां अष्टभुजा देवी का दर्शन-पूजन कर वाराणसी के लिए रवाना हो गए। दर्शन-पूजन पुरोहित नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने कराया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। इससे पहले ब्रह्मवेत्ता श्री देवराहा हंस बाबा के विंध्याचल आश्रम में बृहस्पतिवार शाम को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत का आगमन हुआ। शाम को वे बाबा का दर्शन करने और आशीर्वाद लेने उनके कक्ष में पहुंचे। बाबा ने उनको अखंड भारत के निर्माण और सनातन धर्म के विश्वव्यापी होने के लिए आशीर्वाद दिया। उनको निर्देशित किया कि इसके लिए महावीर हनुमान जी को 76 मन बेसन के लड्डुओं से पूजा अनुष्ठान करवाएं। इसी कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को अनुष्ठान कराकर यह संकल्प लिया कि कैलाश मानसरोवर और भारत की 40 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि जो चीन के कब्जे में है, वह भारत के पास जल्द ही वापस आ जाए। बाबा ने संकेत किया और स्पष्ट भी किया कि चीन और पाक का पतन होगा और कैलाश मानसरोवर व भारत की समस्त देवभूमि देश में शीघ्र वापस आएगी। बाबा का यह महाप्रसाद प्रधान मंत्री, केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को वितरित किया जाएगा।

दुष्कर्म के मामले में कांग्रेस सपा ने की कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। लालगंज थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना को लेकर शुक्रवार को विपक्षी पार्टियां भाजपा पर हमलावर रहीं। समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन करने के साथ ही जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व एसपी संतोष कुमार मिश्रा को ज्ञापन दिया, वहीं प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं ने मंडलीय अस्पताल में दुष्कर्म पीड़ित की मां से मुलाकात की। कांग्रेस नेता ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर प्रदर्शन किया जाएगा।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को मिर्जापुर पहुंचकर दुष्कर्म पीड़िता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पीड़िता से न मिल पाने के बाद उसकी मां से मिले और मामले की पूरी जानकारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मणिपुर से मिर्जापुर तक दुष्कर्म करने वालों को बचा रही है। उन्होंने केस को दबाने का आरोप लगाया। अजय राय ने जिला महिला अस्पताल जाकर दुष्कर्म पीड़िता का हाल-चाल लेने का प्रयास किया। लेकिन प्रशासन ने पीड़िता की हालत गंभीर होने का हवाला देकर उनको मिलने नहीं दिया। इस पर वे वहां मौजूद पीड़िता की मां से मिले और उनसे पूरे मामले की जानकारी ली। अजय राय ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार में भाजपा के लोग अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भाजपा कार्यकर्ता विजय गुप्ता के भी घर अथवा उसके होटल पर बुलडोजर चलवाएं। ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता इसके खिलाफ सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे। जिला महिला

अस्पताल में अजय राय के पहुंचने से पहले से ही कांग्रेस कार्यकर्ता व प्रशासन के लोग जुट गए थे। बड़ी संख्या में महिला पुलिस भी वहां मौजूद रही। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शिव कुमार पटेल ने भी चेतावनी दी कि यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस के लोग आंदोलन करेंगे। प्रांतीय अध्यक्ष अपने तय समय से करीब एक घंटा विलंब से जिला महिला अस्पताल पहुंचे। वहां उनका स्वागत पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव कुमार सिंह पटेल, पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजन पाठक, दीपचंद जैन, राजधर दुबे, इमरान खान, छोटे खान, सुधाकर, विधि कुमार सिंह, जफर इकबाल, अर्चना चौबे, प्रियंका जैन, आयुषी शुक्ला, अर्चना मिश्रा आदि ने किया। उधर, अजय राय ने अस्पताल में मौजूद मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरबी कमल से भी मुलाकात की और पीड़िता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीड़िता के उपचार में कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। साथ ही यह भी पूछा कि पीड़िता के लिए ऊपर से कोई दबाव तो नहीं है। प्राचार्य ने बताया कि ऐसी कोई बात नहीं है। इस दौरान सीओ सदर शैलेंद्र पांडेय, महिला थानाध्यक्ष रीता यादव, लालगंज थानाध्यक्ष ज्ञानुप्रिया, अस्पताल चौकी प्रभारी हरिशंकर यादव व क्राइम ब्रांच की टीम मौजूद रही।उधर, सपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालयके समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना में शामिल होने के आरोपी ग्राम प्रधान को गिरफ्तार करने तथा जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने रामपुर ठाकुर दयाल गांव निवासी राजकुमार की मौत पुलिस प्रताड़ना से होने का आरोप लगाते हुए इस मामले का पर्दाफाश करने की मांग भी की। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग लालगंज थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी ग्राम प्रधान को बचाना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आरोपी को अविलंब गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा गया तो सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि लालगंज के ही रामपुर ठाकुर दयाल निवासी राजकुमार की पुलिस की प्रताड़ना से मौत हो गई थी। अभी तक इस मामले में दोषी पुलिस कर्मियों को दंडित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अपेक्षा के अनुरूप क्षेत्र में बारिश नहीं होने तथा नहरों में पानी नहीं आने के कारण सूखा पड़ने की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने जिले को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करने की भी मांग की। प्रदर्शन में अशोक यादव, रविन्द्र बहादुर सिंह, परवेज खान, रोहित शुक्ला, सुरेन्द्र सिंह पटेल, परवीन बानो, आदर्श यादव, रामजी मौर्या, चन्दन यादव, श्याम मोहन यादव, डॉ. ध्रुवजी पाण्डेय, नागेन्द्र तिवारी, सतीश मिश्रा, अरशद अली, अमिताभ पाण्डेय, विजय मौर्या आदि शामिल रहे।

शिवलिंग जैसी आकृति का क्यों नहीं होगा वैज्ञानिक सर्वे हिंदू पक्ष एचसी में दाखिल करेगा कैविएट

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। अदालत ने एएसआई के निदेशक को कहा है कि दोनों पक्षकारों से मिलकर चार अगस्त तक यह रिपोर्ट दाखिल करें कि मस्जिद के ढांचे को क्षति पहुंचाए बगैर वह कैसे सर्वेक्षण करेंगे। ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने में मिले शिवलिंग जैसी आकृति का वैज्ञानिक सर्वे नहीं होगा। जानें क्यों. काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी परिसर का सर्वे होगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने शुक्रवार को बड़ा आदेश सुनाया और ज्ञानवापी में सील वजूखाने को छोड़कर पूरे परिसर के सर्वे का आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को दिया। अदालत ने एएसआई के निदेशक को कहा है कि दोनों पक्षकारों से मिलकर चार अगस्त तक यह रिपोर्ट दाखिल करें कि मस्जिद के ढांचे को क्षति पहुंचाए बगैर वह कैसे सर्वेक्षण करेंगे। यह भी बताएं कि सर्वे करने वाली टीम में कौन-कौन रहेगा। फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर कौन होगा। इसके साथ ही अदालत ने मुकदमे की सुनवाई की अगली तिथि चार अगस्त नियत की है ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने में मिले शिवलिंग

जैसी आकृति के वैज्ञानिक सर्वे का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी दिया था। इस आदेश को अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। वजूखाना क्षेत्र अब भी कोर्ट के आदेश पर सील है। वजूखाना में ही शिवलिंग जैसी आकृति मिलने का दावा हिंदू पक्ष की ओर से किया गया है जिला जज की अदालत के फैसले पर हिंदू पक्ष ने खुशी जताई है। कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल की जाएगी। ताकि, प्रतिवादी की अपील पर आदेश देने से पहले हिंदू पक्ष को सुना जाए। हिंदू पक्ष को सुनने के बाद ही अदालत अपना आदेश सुनाए। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से कहा गया कि हाईकोर्ट के 12 मई के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 19 मई से स्टे है। एएसआई सर्वे के आवेदन को सुनने का अधिकार जिला जज को नहीं है। दूसरी अहम बात यह है कि इस मामले में एक बार सर्वे हो चुका है। उस पर आपत्ति भी की गई है। बगैर उसके निस्तारण के सर्वे का दूसरा आदेश नहीं दिया जा सकता। हिंदू पक्ष ने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने की बात कही है, लेकिन उसका कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। अभी आदेश की कॉपी अभी नहीं मिली है। आदेश का अध्ययन करने के बाद फैसला लिया जाएगा। जिला जज की अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। पहले श्रृंगार गौरी के पूजा का अधिकार मांगा गया।

वाराणसी में बादलों ने डाला डेरा, नम हवाओं से बदला मौसम

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। जानें कब होगी बारिशजिस तरह सप्ताह के शुरुआत में तीखी धूप धूप हुई लगा कि मई जून महीना है। इस कारण लोगों को परेशान होना पड़ा, लेकिन शुक्रवार देर रात से हवा का रुख बदल गया है। इससे उमस से राहत मिली है। पिछले तीन दिनों से तीखी धूप और उमस के बाद शनिवार की सुबह नम हवाएं चलने से मौसम बदल गया। जहां 15 से 20किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है वही बादलों की सक्रियता देखने को मिली। इस वजह से बारिश के भी आसार भी बन रहे हैं।जिस तरह सप्ताह के शुरुआत में तीखी धूप धूप हुई लगा कि मई जून महीना है। इस कारण लोगों को परेशान होना पड़ा, लेकिन शुक्रवार देर रात से हवा का रुख बदल गया है। इससे उमस से राहत मिली है। पिछले तीन दिनों से तीखी धूप और उमस के बाद शनिवार की सुबह नम हवाएं चलने से मौसम बदल गया। जहां 15 से 20किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है वही बादलों की सक्रियता देखने को मिली। इस वजह से बारिश के भी आसार भी बन रहे हैं।जिस तरह सप्ताह के शुरुआत में तीखी धूप धूप हुई लगा कि मई जून महीना है। इस कारण लोगों को परेशान होना पड़ा, लेकिन शुक्रवार देर रात से हवा का रुख बदल गया है। इससे उमस से राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिक प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि एक-दो दिन में मानसून की सक्रियता देखने को मिल सकती है। हल्की तेज बारिश के भी आसार हैं।

पत्थर के टुकड़े और अन्न के दाने बताएंगे ज्ञानवापी की कहानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी परिसर का सर्वे होगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने शुक्रवार को बड़ा आदेश सुनाया और ज्ञानवापी में सील वजूखाने को छोड़कर पूरे परिसर के सर्वे का आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को दिया। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वे से दुनिया के सामने इतिहास का सच सामने आ जाएगा। एएसआई के सर्वे में पत्थर के टुकड़े और अन्न के दाने अपने कालखंड की कहानी खुद ब खुद बताएंगे। इसमें एएसआई ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार, उत्खनन के साथ ही कार्बन डेटिंग भी कर सकता है। बीएचयू के इतिहासकारों का कहना है कि एएसआई सर्वे के बाद स्थितियां साफ हो जाएंगी। बीएचयू के इतिहासकार प्रो. ओएन सिंह कहना है कि सर्वे की प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिकता पर निर्भर होती है। इसमें चिन्हित स्थानों के अलग-अलग जगहों पर ट्रेंच लगाते हैं।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

कम्प्यूटर हार्डवेयर
डाटा इंट्री ऑपरेटर
फायर सेफ्टी
कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
इलेक्ट्रीशिन
सीएनसी प्रोग्रामिंग
इलेक्ट्रिक मैकेनिक
बेसिक कम्प्यूटिंग
सीसीए
वेल्डर
फिटर
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया पर्यावरणीय सन्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा/सोनभद्र। हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीज़न रेणुसागर यूनिट हेड आर पी सिंह के दिशा निर्देशन व विद्यालय प्रबंधक शैलेश

विक्रम सिंह के कुशल नेतृत्व में रेनुपावर प्राथमिक पाठशाला रेणुसागर के बच्चों ने पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत रेणुसागर प्रेक्षागृह, मनोरंजनालय व स्थानीय बिरला मार्केट में दुकानदारों को कागज के स्वनिर्मित सैकड़ो लिफाफों का वितरण किया, तथा वहाँ पर उपस्थित सभी दुकानदारों व ग्राहकों के बीच बच्चों ने पर्यावरण से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया, तथा पर्यावरण से सम्बंधित सन्देश देते हुए कहा कि मानव जीवन में सुख समृद्ध एवं संतुलन बनाये रखने के लिए पौध रोपण का बिशेष महत्व है हमारे देश की सभ्यता संस्कृति में प्राचीन काल से ही वृक्षों में देवत्व का आरोपण किया जाता रहा है और वृक्षों की पूजा की जाती है जबकि वृक्षों से हमें बहुत लाभ है वृक्ष पृथ्वी की शोभा के साथ हरियाली के उद्गम है वृक्ष हमें बर्षा कराने के साथ ही प्राणदायक आक्सीजन भी प्रदान करते है तथा इन्ही से हमें तमाम प्रकार की जीवनदायी जड़ी बुटिया प्राप्त होती है। बच्चो ने सन्देश में यह भी कहा कि प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग पर्यावरण और मानव की सेहत दोनो के लिए खतरनाक है। कभी न नष्ट होने वाली पॉलीथिन भूजल स्तर को प्रभावित कर रही है। हमें पर्यावरण के प्रति चिंतन ही नहीं क्रियान्वयन की जरूरत है। इस नुक्कड़ नाटक का उपस्थित सभी लोगो ने तालियाँ बजाकर बच्चों का उत्साहबर्धन करते हुए भूरी भूरी प्रसंशा की। इस कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक पाठशाला की प्रधानाध्यापिका पूनम वार्ष्णेय के देखरेख व उनीबा खान, के0के0त्रिपाठी, बबिता त्रिपाठी एवं शैलेन्द्र कुमार सिंह सहयोग से संपन्न हुआ ।

सर संघचालक आरएसएस ने जनपद भ्रमण के दौरान मां विंध्यवासिनी देवी, मां कालीखोह व मां अष्टभुजा देवी का किया विधिवत दर्शन पूजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर ।जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा मां विंध्यवासिनी देवी का चित्र भेंटकर किया स्वागत व अभिनन्दन सर संघचालक आरएसएस, मोहन भागवत मीरजापुर भ्रमण के दौरान विंध्याचल पहुंच कर मां विंध्यवासिनी देवी, मां कालीखोह व मां अष्टभुजा देवी का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके पूर्व सर संघचालक द्वारा देवरहवा हंस बाबा आश्रम में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र द्वारा मां विंध्यवासिनी देवी का चित्र भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया।

दीवानी न्यायालय में लम्बित चेक बाउन्स (धारा-138एन.आई. एक्ट) के मुकदमों के निस्तारण हेतु दिनांक 12-08-2023 को विशेष लोक अदालत का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर ।माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद तथा माननीय न्यायमूर्ति / कार्यपालक अध्यक्ष, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के आदेशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अनमोल पाल महोदय की अध्यक्षता में चेक बाउन्स (धारा-138 एन.आई. एक्ट) के मुकदमें को ज्यादा से ज्यादा संख्या में निस्तारण हेतु दिनांक 12-08-2023 को समय पूर्वान्ह 10.30 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर, मीरजापुर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। उक्त विशेष लोक अदालत को सफल बनाने के लिए माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय ने सभी न्यायिक मजिस्ट्रेट/अधिकारीगण को चेक बाउन्स (धारा-138एन.आई. एक्ट) के मुकदमों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में निस्तारण कराने के लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया है और जनपद न्यायालय के सभी न्यायिक मजिस्ट्रेट को चेक बाउन्स से सम्बन्धित मुकदमों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में निस्तारण करने के लिए चिन्हित करने तथा पक्षकारों को नोटिस प्रेषित करने का निर्देश दिए साथ ही विशेष लोक अदालत के पूर्व पक्षकारों के मध्य आपसी सुलह-समझौता कराने के लिए पांच बैठके आहूत करने के लिए भी सम्बन्धित न्यायालयों को निर्देशित किए। उन्होने यह भी बताया कि विशेष लोक अदालत में चेक बाउन्स (धारा-138एन.आई. एक्ट) से सम्बन्धित मुकदमों के निस्तारण होने पर वादकारियों द्वारा लगाये गये न्याय शुल्क वापस मिल जाता है, किसी भी पक्षकार को दण्डित नहीं किया जाता है बल्कि, विशेष लोक अदालत में उभयपक्ष को न्याय आसानी से समय पर मिल जाता है और लोक अदालत का अवार्ड (निर्णय) अंतिम होता है, जिसके खिलाफ किसी न्यायालय में अपील नहीं होती है इसलिए पक्षकार व्यक्तिगत तौर पर सम्बन्धित न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपने मुकदमें को निस्तारण हेतु अविलम्ब पंजीकृत कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी पूर्णकालिक सचिव श्री लाल बाबू यादव ने समस्त अधिवक्ता बन्धुओ एवं एन. आई. एक्ट के उभयपक्षों से अपील करते है कि वह एन.आई. एक्ट के मुकदमों में सम्बन्धित न्यायालयों द्वारा थानेवार प्रेषित नोटिसों को स्वीकार करते हुए सम्बन्धित न्यायालयों द्वारा निर्धारित तिथियों पर आहूत बैठकों में उपस्थित होकर अविलम्ब अपने-अपने मुकदमों को पंजीकृत करा लेवें और अपने-अपने मुकदमें का निस्तारण कराकर विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं।

पति से विवाद के बाद महिला ने पुत्री संग किया विषाक्त सेवन, दोनों की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । संतनगर थाना क्षेत्र के सिरसी हिनौती गांव में बृहस्पतिवार की रात पति से विवाद के बाद महिला ने अपनी पुत्री संग विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां हालत गंभीर होने पर दोनों को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। मंडलीय अस्पताल में उपचार के दौरान पहले पुत्री फिर मां की मौत हो गई। मौत की सूचना पर मायके वाले भी पहुंच गए। मायके वालों ने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस पति को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है।क्षेत्र निवासी शिवकली (40) पत्नी रामधनी से चार पुत्र रवि, कल्लू, नचक, अखिलेश और एक पुत्री आरती हैं। कल्लू दिल्ली में रहकर नौकरी करता है। बृहस्पतिवार को शिवकली का पति से विवाद हुआ था। इसके बाद रात में शिवकली ने पुत्री आरती (9) के साथ विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां हालत गंभीर होने पर मां-पुत्री को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल

रेफर कर दिया गया। भोर में मंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान पहले पुत्री अनीता फिर मां शिवकली की मौत हो गई। सूचना पर मायके वाले भी पहुंच गए। भाई मानिक चंद्र निवासी तेंदुआकला ने बताया कि बहन शिवकली को उसका पति रामधनी प्रताड़ित करता था। उसकी पिटाई करता था। कई बार मामला पुलिस में जाने के बाद सुलह हुआ। शुक्रवार को सुबह जब पड़ोसी को फोन कर बहन से बात करने के लिए कहा तो उसने बताया कि बृहस्पतिवार को झगड़ा हुआ था। घर में कोई नहीं है। सभी लोग अस्पताल पहुंचे हैं। जानकारी मिली कि बहन और उसकी पुत्री की मौत हो गई है। मानिक ने आरोप लगाया कि बहन शिवकली ने पति की प्रताड़ना के चलते ऐसा कदम उठाया है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष राम नरायन राम ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात सभी खाना खा रहे थे तो शिवकली ने पुत्री को कुछ कहा। इस पर उसके पति ने उसे कुछ बोला। जिस पर विवाद हो गया। इसके बाद शिवकली और उसकी पुत्री ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे दोनों की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पति को हिरासत में ले लिया गया है।

महीने भर बाद भी नही मिला पुनर्वास पैकेज, पहाड़ पर झोपड़ी डालकर रहने को मजबूर कनहर विस्थापित

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी, सोनभद्र।सिंचाई विभाग द्वारा निर्माणाधीन कनहर बांध को

तय समय में लगभग पूर्ण करने के बाद सबसे बड़ी चुनौती डूब क्षेत्र को खाली कराना था,जिसे गम्भीरता से लेते हुए सिंचाई विभाग एवं शासन-प्रशासन द्वारा लगभग खाली करा दिया गया लेकिन बजट नही होने के कारण दर्जनों परिवारों को बिना पैकेज दिए ही यह आश्वाशन देकर खाली कराया गया कि बजट आते ही पखवाड़े भर में विस्थापन पैकेज दे दिया जाएगा,लेकिन डूब क्षेत्र खाली करने के महीने भर बाद भी कोई जिम्मेदार सुधि लेने नही आया और न ही उन्हें मुआवजा मिल सका।जिससे कनहर विस्थापित मुनिया पत्नी रामटहल, झुकसी पत्नी शिव,विजय पुत्र लक्ष्मण, लाल कन्हैया पुत्र रवि,फजीहत पुत्र शिव,लक्ष्मण पुत्र हरिकिशुन, रामजीत पुत्र मोहन,उजित पुत्र मोहन,नन्दलाल पुत्र रामपति, रमाशंकर पुत्र रामपत5,नरेश पुत्र भोला, राजेश पुत्र भोला, बजरंगी पुत्र रवि सभी निवासी कुदरी के दर्जनों परिवार बिना पैकेज ही हटाए जाने के कारण पहाड़ों पर शरण लेने को बिबस हैं। अब आप सोचिए बरसात के दिनों में जहां अब तक दर्जनों लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आने व सर्प दंश से काल के गाल में समा चुके हैं वहीं जबरन विस्थापित किये गए लोग कुदरी गांव के पहाड़ों में झोपडी डालकर रहने को मजबूर हैं क्योंकि उनके पास न तो अब जमीन है और न कोई घर, आखिर वे जाएं तो कहां जाएं ? ऐसे में लोग पहाड़ों जंगलों में रहकर इस बरसात में किसी तरह गुजर बसर करने को मजबूर हैं और उनकी बेबसी सुनने व देखने वाला कोई नहीं है।बता दें कि कनहर डूब कुदरी गांव के कुछ आदिवासी परिवार कनहर बांध के सबसे नजदीक बसे हुए थे जहां उनके बाप दादा रहकर खेती किसानी करके अपनी आजीविका चलाते हुए जीवन गृहस्थी चल रही थी लेकिन कनहर बांध के कारण उन्हें बिना पुनर्वास पैकेज के ही जिम्मेदार अधिकारियों ने हटा दिया और अब महीने भर बाद भी उन आदिवासी परिवारों को न तो पुनर्वास पैकेज मिला और न ही भूमि का पट्टा।सिंचाई विभाग के एसडीओ रवि श्रीवास्तव ने बताया कि शासन स्तर से बजट मिलते ही सूचीबद्ध विस्थापितों को विस्थापन पैकेज दे दिया जाएगा।

मीरजापुर के घाटों पर दिखेगा गंगा अवतरण व मां विन्ध्यवासिनी देवी के कथाओं पर आधारित कलाकृतिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर ।जिलाधिकारी के दिशा निर्देशन में बी0एच0यू0 के पूर्व छात्र के टीम द्वारा सीमेन्ट म्यूरल से

घाटो, दीवालो पर बनायी जा रही कलाकृतिया जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के मार्ग निर्देश में विन्ध्याचल के घाटो के दीवालो पर जल्द ही दिखेगा गंगा अवतरण व मां विन्ध्यवासिनी के कथाओं पर आधारित आकर्षक कलाकृतियां। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सावन माह को उपलक्ष्य में घाटों के सुन्दरी करण हेतु बी0एच0यू0 दृश्य कला संकाय के पूर्व छात्र सुनील मौर्य की अगुवाई में 07 सदस्यी कलाकारों की टीम के द्वारा मीरजापुर के घाटो पर सीमेन्ट सीमेन्ट म्यूरल से कलाकृतियां बनायी जा रही है। इन कला कृतियों में गंगा अवतरण व माँ विन्ध्यवासिनी की कथाओं को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें भागीरथी की तपस्या, शिव की जटा में माँ गंगा, माँ गंगा का पृथ्वी पर आना, व सौम्य रूप में मगर पर सवार माँ गंगा एवं माँ विन्ध्यवासिनी, माँ अष्ठभुजा, व काली खोह से जुड़ी अनंत कथाएं आदि चित्रित की जा रही है। इन कलाकृतियों को बनाने के लिए बी0एच0यू0 वाराणसी के पूर्व छात्र एवं फ्रीलांस आर्टिस्ट सुनील मौर्य के नेतृत्व में रमेश चन्द, गौतम, राज करन सौरभ, संदीप व बादल सहित बी.एच.यू. व विद्यापीठ के करीब 07 कलाकार कार्य कर रहे है।

जिला महिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । 21 जुलाई 2023- जिला महिला अस्पताल में जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी की अध्यक्षता में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति सिंह सामाजिक

कार्यकत्री उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ नवजात बच्चियों के हाथ से केक काटकर किया गया। साथ ही 25 बच्चियों को बेबी किट, पैम्पर्स, बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा वहां पर उपस्थित महिलाओं को बेड के पास जाकर फल वितरण किया गया। महिला कल्याण अधिकारी डा0 मंजू यादव व उनकी टीम द्वारा विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार एवं पम्पलेट देकर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में बच्चियों का आवेदन करने हेतु अभिभावकों को प्रेरित किया गया। महिलाओं को बच्चियों के जन्म पर एक फलदार पौधे उपहार स्वरूप देकर यह संदेश दिया कि जैसे-जैसे एक वृक्ष का लालन-पालन करेंगे उसी प्रकार अपनी बिटिया का लालन-पालन कर उसका जीवन रोशन करें। एक स्वस्थ्य वृक्ष एक स्वस्थ बिटिया की पहचान होगा। जैसे एक वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध वातावरण प्रदान करता है उसी तरह एक स्वस्थ, शिक्षित बिटिया एक खुशहाल परिवार का निर्माण में सहयोग करेगी। इसके अलावा महिला अस्पताल कैंपस में बच्चियों के हाथ से वृक्षारोपण किया गया। मुख्य अतिथि ने अभिभावकों को कन्या के जन्म पर बधाई देते हुए कहा कि हमें बेटियों और बेटों में भेदभाव मिटाते हुए समान भाव से परवरिश करनी चाहिए, क्योंकि आज बेटियां हर मुकाम हासिल कर रही हैं। उक्त कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी पंकज शर्मा, बाबूलाल कन्नौजिया जिला समन्वयक शालिनी देवी, दिव्या जायसवाल, महिला अस्पताल से स्टाफ नर्स कलावती देवी व अन्य स्टाफ, सामाजिक कार्यकर्ता राधिका सिंह, उषा देवी उपस्थित रहे।

पुलिया के नीचे मिला शव, हत्या का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
लालगंज। थाना क्षेत्र के सहिरा गांव निवासी व्यक्ति का शुक्रवार को सुबह घर से 500 मीटर दूर पुलिया के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ। शव मिलने की

जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। परिजनों ने जमीन संबंधी और अन्य विवाद के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई।क्षेत्र के सहिरा गांव निवासी धर्मराज (45) पुत्र हरिदास मजदूरी करते थे। उनकी पत्नी लक्ष्मी सिकंदराबाद में रहती हैं। वे ट्रेन चालक हैं। धर्मराज बृहस्पतिवार को शाम को घर से निकले थे। शुक्रवार को सुबह उनका शव घर से 500 मीटर दूर पुलिया के नीचे मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों में शव देखते ही कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पुलिया के नीचे से निकलवाया। मौके पर पहुंचीं प्रभारी निरीक्षक ज्ञानू प्रिया ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धर्मराज चार भाइयों में सबसे बड़े थे। उनकी तीन बहनें हैं। बहन विमला देवी ने बताया कि पड़ोसी से विवाद हुआ था। उन लोगों धमकी दी थी। दूसरे पड़ोसी से भी जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। भाई के शरीर पर चोट के निशान थे। उनकी आंख नहीं दिख रही थी। सिर में पीछे गंभीर चोट के निशान थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विवाद के चलते ही लोगों ने उनके भाई की हत्या की है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले भाई को सर्प ने डसा था। उपचार के बाद वे ठीक हो गए थे। थाना प्रभारी ज्ञानू प्रिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह लग रहा है कि धर्मराज पुलिया के नीचे गिर गया होगा। इससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कैसे पढ़ेंगे और बढ़ेंगे बच्चे जब तीन कमरे में 8 तक की कक्षाएं हो रही संचालित

कम्पोजिट विद्यालय अमवार कॉलोनी की बिल्डिंग ध्वस्त, 3 अतिरिक्त कक्ष में पढ़ रहे करीब डेढ़ सौ बच्चे

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी, सोनभद्र।सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के तहत हर साल करोडों रुपये खर्च किए जाते हैं जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।जून महीने में सोनभद्र के दौरे पर आए प्रदेश के मुखिया ने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजने की अपील की थी,इसके बाद अभिभावकों ने अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए निकल पड़े और उस विद्यालय में बच्चों की संख्या डेढ़ सौ के पार पहुच गई।यहाँ तक कि दबे जुबान बिल्डिंग ध्वस्त होने का हवाला देकर शिक्षकों ने अन्यत्र एडमिशन की बात कही लेकिन अभिभावक अपने बच्चों का नाम दुद्धी ब्लॉक के कम्पोजिट विद्यालय अमवार कॉलोनी में लिखवाने के लिए आज भी परेशान हैं लेकिन शिक्षकों के सामने समस्या यह है कि जर्जर बिल्डिंग को ध्वस्त कर नीलामी करा दी गई है।इसके बाद मात्र 3 अतिरिक्त कक्ष में 1 से 8 तक की कक्षाएं जैसे तैसे संचालित की जा रही हैं।कम्पोजिट विद्यालय अमवार कॉलोनी के शिक्षकों को इस समय दोहरी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।एक तो पहले से ही कक्षाएं मजबूरी में तीन कमरों कक्षाएं संचालित करनी पड़ रही हैं तो वहीं डूब क्षेत्र से पुनर्वास कॉलोनी में आए बच्चों का नामांकन की भी विकट समस्या है। जगह की अभाव होने के कारण शिक्षकों तथा अभिभावकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आखिर मात्र 3 कमरों में बच्चों को पढ़ाना और एमडीएम खिलाना शिक्षकों के सामने एक बड़ी चुनौती है,क्योंकि शिक्षकों के सामने मजबूरी है कि या तो कक्ष में ही भोजन कराएं या बाहर फील्ड में। जिस अव्यवस्था में कम्पोजिट विद्यालय का संचालन चल रहा है ऐसे में आखिर कैसे पढ़ेंगे और बढ़ेंगे बच्चे ? इसका जबाब किसी के पास नहीं है। इस सम्बंध में खण्ड शिक्षा अधिकारी महेंद्र मौर्य ने कहा कि जर्जर बिल्डिंग को ध्वस्तीकरण के बाद नई बिल्डिंग के लिए शासन को पत्र लिखा गया है, जैसे ही धन आबंटित होती हैं तो तत्काल नई भवन का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

खाद न मिलने पर किसानों ने किया प्रदर्शन, समिति पर लगाया ताला

(आधुनिक समाचार सेवा)
मड़िहान। खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को दोपहर में पचोखरा स्थित सहकारी समिति पर प्रदर्शन किया। सचिव के न मिलने पर कार्यालय में ताला लगा दिया गया। सूचना पर पहुंचे समिति के अध्यक्ष के प्रतिनिधि ने किसी तरह समझा बुझाकर किसानों को शांत कराया।किसानों का आरोप था कि खाद के लिए चार दिन से समिति का चक्कर लगा रहे हैं। संविदाकर्मी के अलावा समिति पर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं रहता है। इससे खेती पिछड़ रही है। बकाया भुगतान करने के बाद भी किसानों को न तो खाद उपलब्ध कराया जा रहा है और न ही नकद दिया जा रहा है, जबकि उनकी जमीन समिति व बैंक के नाम बंधक है। उनका कहना है कि खाद के लिए काफी संख्या में किसान समिति का चक्कर प्रतिदिन काट रहे हैं। दुकानों से फुटकर में महंगे दाम पर खाद खरीदनी पड़ रही है। उनका यह आरोप भी था कि दुकानों पर निर्धारित से अधिक दर पर खाद बिक रही है। मड़िहान तहसील क्षेत्र में पचोखरा के अलावा पथरौर, जमुई, कोटवा, ददरा, बघौड़ा, कलवारी संघ आदि सभी समितियों का एक जैसा हाल है। प्रदर्शन करने वालों में अमोई गांव निवासी किसान जटाशंकर सिंह पटेल, शिवबहादुर सिंह, अमरदीप सिंह, रामआसरे, राधेश्याम, कृष्णमुरारी, पड़रिया निवासी धीरज कुमार सिंह व जयप्रकाश सिंह, सुगापाख के दयाराम सिंह, पटेहरा के पवन कुमार सिंह, बघैला निवासी जटाशंकर, गौरीशंकर आदि शामिल रहे। उधर, उप निबंधक सहकारिता विपिन सिंह का कहना था कि उनको इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। समिति के सचिव से बात करने पर ही कुछ बता सकते हैं।

ट्रेन से कटकर छात्र की मौत परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । विंध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा के पास ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। गैंगमैन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को रेल लाइन से हटवाकर उसकी शिनाख्त कराकर परिजनों को सूचना दी। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है।क्षेत्र के गोड़सर पांडेय निवासी विपुल पांडेय (18) पुत्र राजकुमार पांडेय इंटर का छात्र था। वह बजहा स्थित बद्री नारायण यादव इंटर कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। बृहस्पतिवार की रात गैपुरा के पास ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। गैंगमैन अमित ने रेलवे के अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर विंध्याचल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को रेल लाइन से हटवाकर उसकी शिनाख्त कराई। शव दो टुकड़ों में बंट गया था। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चाचा बंटी पांडेय ने बताया कि विपुल दो भाई और दो बहनों में छोटा था। बृहस्पतिवार की शाम वह घर से निकला था। देर रात 11 बजे ट्रेन से कटकर मौत होने की सूचना मिली। पड़ोसी से झगड़ा हुआ था। उन लोगों ने धमकी दी थी। चाचा ने हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की।

सिंधु और नेहवाल जैसे खिलाड़ी तैयार करना लक्ष्य : विक्रमादित्य चौफला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पूर्व खिलाड़ी से उद्यमी बने विक्रमादित्य चौफला ने बैडमिंटन को बढ़ावा देने और पीवी सिंधु और महीने रोटरडम में विश्व रैकेटलोन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। रैकेटलोन एक संयोजन खेल है जिसमें प्रतियोगियों जीतने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है, जिसकी मुझे आवश्यकता थी।विश्व रैकेटलोन चैंपियनशिप दो से छह अगस्त तक रोटरडम में खेली जाएगी।

साइना नेहवाल जैसे विश्व विजेता शटलर तैयार करने के दोहरे उद्देश्य से उदयपुर में राजस्थान की सबसे बड़ी बैडमिंटन अकादमी शुरू की है। 2012 में विश्व यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले चौफला ने बैडमिंटन पर विशेष ध्यान देने के साथ पिछले वर्ष आर एल चौफला सेंटर आफ स्पो?ट्र्स एक्सीलेंस लांच किया था।अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र का नाम उनके दादा के नाम पर रखा गया है और इसमें छह कोर्ट हैं। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने जुनून को आगे बढ़ाने और अकादमी को पर्याप्त समय देने के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की आरामदायक नौकरी भी छोड़ दी। चौफला कई प्रतिभाओं के धनी हैं और अगले को चार रैकेट खेल टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश खेलना होता है। ये चारों रैकेट खेल हैं, इसलिए चौफला ने स्वाभाविक रूप से इस खेल को अपनाया और पिछले वर्ष ऑस्ट्रिया में नेशंस कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। इस उपलब्धि ने उन्हें उन एथलीटों के एक दुर्लभ क्लब में शामिल कर दिया, जिन्होंने दो खेलों की विश्व चैंपियनशिप बैडमिंटन और रैकेटलोन में भाग लिया चौफला ने रैकेटलोन में अपनी भागीदारी को लेकर कहा कि बैडमिंटन हमेशा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगा, लेकिन अब मैं रैकेटलोन के साथ देश का नाम रोशन करना चाहता हूं। एक बैडमिंटन खिलाड़ी होने के नाते मैं तुरंत अन्य तीन खेलों से जुड़ गया जो रैकेटलोन का हिस्सा हैं और पिछले वर्ष ऑस्ट्रिया में ट्रॉफी 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझू में एशियाई खेल होने हैं। उसमें भारत की उम्मीदों के बारे में पूछने पर इस 37 वर्षीय शटलर ने कहा कि मैं अपनी अकादमी में बैडमिंटन के धुरंधर निकालना चाहता हूं जो पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करें। यह वर्तमान में राजस्थान की सबसे बड़ी बैडमिंटन अकादमी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में बैडमिंटन का बड़े पैमाने पर विकास हुआ है और हमारा लक्ष्य है कि अकादमी में उभर रहे खिलाड़ियों को अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं। मैं चाहता हूं कि हमारी अकादमी से भी पीवी सिंधु और साइना नेहवाल जैसी प्रतिभाएं निकलें जिससे देश इस खेल में और ऊंचाइयां छुए।

नंबर 3 पर एक बार फिर नहीं बोला शुभमन गिल का बल्ला, विकेटकीपर के हाथों कैच आउट होने पर रह गए दंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत बनाम वेस्टइंडीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज 2023-25 के दूसरे मैच में शुभमन गिल ने केमार रोच की एक गेंद को विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा के पास पहुंचा दिया। गिल अपनी नई बल्लेबाजी स्थिति नंबर-3 में एक बार फिर बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे। इस सीरीज में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी जायसवाल के डेब्यू के साथ कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने नंबर तीन का स्थान शुभमन गिल को दिया है। पिछली टेस्ट पारी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले शुभमन तीसरे नंबर पर कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। रन पर पवेलियन लौटे गिल- पिछले हफ्ते विंडसर पार्क में 11 गेंदों पर छह रन बनाने के बाद गिल त्रिनिदाद टेस्ट मैच की पहली पारी में 12 गेंदों पर 10 रन बनाकर पवेलियन

लौट गए। आज अपनी पारी की 12वीं गेंद पर शुभमन गिल ने केमार रोच की गेंद को ऑफ साइड पर मारने की कोशिश।ऐसे में गेंद को बल्ले का बाहरी किनारा लगा और सीधा विकेटकीपर के हाथों में समा गई जोशुआ दा सिल्वा ने कैच लेने में कोई गलती नहीं की और गिल को ड्रेसिंग रूम में वापस जाना पड़ा। गिल पूरी तरह से निश्चित नहीं थे कि उन्होंने गेंद को बल्ले का किनारा लगा है या नहीं। इसलिए वह बातचीत के लिए नॉन-स्ट्राइकर रोहित शर्मा के पास गए। गिल के पास अच्छा टेस्ट रिकॉर्ड- कप्तान से चर्चा के बाद गिल और रोहित रिव्यू नहीं लेने पर सहमत हुए और गिल वापस पवेलियन लौट गए।हालांकि गिल का टेस्ट क्रिकेट् में काफी अच्छा रिकॉर्ड है, लेकिन उनका हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में गिल अपनी किसी भी पारी में 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

भारत के जापान दौरे का हुआ निराशाजनक अंत, लगातार तीसरी शिकस्त का करना पड़ा सामना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के जर्मनी दौरे का बेहद निराशाजनक अंत हुआ। भारतीय टीम को तीसरे व अंतिम मैच में जर्मनी के हाथों 0-2 की शिकस्त का सामना करना पड़ा। यह जर्मनी दौरे पर भारतीय टीम की लगातार तीसरी हार रही भारतीय महिला हॉकी टीम के जर्मनी दौरे का निराशाजनक अंत हुआ। भारतीय महिला हॉकी टीम को जर्मनी दौरे पर लगातार तीसरी

शिकस्?त का सामना करना पड़ा। भारत को तीसरे व अंतिम मैच में जर्मनी के हाथों 0-2 की शिकस्त सहनी पड़ी। भारतीय टीम अपने पिछले दो मैचों में क्रमश चीन और जर्मनी से शिकस्त झेल चुकी थी भारतीय टीम के जर्मनी दौरे पर आखिरी मुकाबले में नाइक लोरेंज (52वें मिनट) और चार्लोट स्टापेनहोर्स्ट (54वें मिनट) गोल दागे। याद दिला दें कि भारत को अपने पिछले दो मुकाबलों में क्रमशः चीन (2-3) और जर्मनी (1-4) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। यह दौरा भारतीय टीम के आगामी ऐशियाई गेम्स की तैयारी का हिस्सा था। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर तक जर्मनी को गोल करने से रोका था। मगर चौथे क्वार्टर में जर्मनी ने अपने हमले तेज किए और इसका उसे फायदा भी मिला। भारत को मैच में क्वार्टर्स में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वो उसे गोल में तब्दील करने में नाकाम रही। ʽनी ने केवल दो मिनट के भीतर दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत पर मुहर लगाई। भारतीय महिला हॉकी टीम अब स्पेन दौरे पर जाएगी, जहां स्पेनिश हॉकी संघ की 100वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा।

28 साल का इंतजार हुआ खत्म, भारत ने 2014 में क्रिकेट के मक्का लॉर्ड्स में रचा था इतिहास

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट ने नए कीर्तिमान हासिल किए हैं। ऐसे में 2014 में भारत ने धोनी की कप्तानी रहाणे ने 150 गेंदों में 103 रन की पारी में 66.88 के स्ट्राइक रेट से 15 चौके और 1 छक्का जड़ा था। इसके अलावा विराट कोहली 25 और कप्तान धोनी 1 रन पर की बल्लेबाजी काबिले तारीफ थी। भारत की ओर से मुरली विजय ने 95 रन जड़े थे। साथ ही जडेजा ने 68 और भुवनेश्वर कुमार ने 53 रन के साथ अपना अर्धशतक पूरा

में क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर इतिहास रचा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 1986 के बाद पहली बार लॉर्ड्स में जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी करने के लिए फील्ड पर उतारा था। भारतीय टीम पहली पारी में 91.4 ओवर में 295 रन बनाकर पवेलियन लौट गई थी। ऐसे में टीम का बैटिंग आर्डर पूरी तरह से फ्लॉप रहा था और अजिंक्य रहाणे ने दमदार शतक जड़ा था। पवेलियन लौट गए थे। इंग्लैंड की गेंदबाजी की बात करें तो एंडरसन ने पहली पारी में 4, ब्रॉड ने 2 और स्टोक्स ने भी भारत के दो बल्लेबाजों के विकेट लेकर उन्हें पवेलियन रवाना किया था। इंग्लैंड ने पहली पारी में 319 रन का स्कोर बनाया था। सबसे ज्यादा गैरी बैलेंस ने 110 रन की पारी खेली थी। भारतीय गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार ने सबसे ज्यादा पहली पारी में 6 अंग्रेजी टीम के बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई थी। दूसरी पारी में भारत किया। अंत में भारत ने जीत के लिए इंग्लैंड के सामने 342 रन का टारगेट रखा। दूसरी पारी में इंग्लैंड के जो रूट व्दाॅददू ने 66 रन के साथ अर्धशतक लगाया था। ऐसे में 223 रन पर पूरी टीम वापस लौट गई। भारत के लिए इशांत शर्मा ने 7 विकेट लिए और वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने, जिसके साथ ही भारत ने इंग्लैंड में 28 सालों बाद इतिहास रचा।

सुनील छेत्री की कप्तानी वाली भारतीय फुटबॉल टीम को हुआ फायदा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने इर्ह्णैं रैंकिंग में कमाल दिखाया है। सुनील छेत्री की कप्तानी वाली है, जबकि मॉरीटानिया 101वें स्थान पर खिसक गई है। ताजा रैंकिंग से पहले मॉरीटानिया 99वें स्थान पर थी, लेकिन भारतीय फुटबॉल

भारतीय फुटबॉल टीम ने पिछले कुछ समय में शानदार परफॉर्मेंस किया है। इसके चलते ही टीम इंडिया ने पांच साल के लंबे इंतजार के बाद पहली पारी डबल डिजिट में रैंकिंग हासिल कर ली है। रैंकिंग में टीम इंडिया इस वक्त 99 रैंकिंग के साथ मौजूद है, जो कि पिछले कुछ समय से 100 पर अटकी हुई थी। इसकी जानकारी भारतीय फुटबॉल टीम ने ट्विटर अकाउंट के जरिए दी। दरअसल, हालिया 2023 में भारतीय फुटबॉल टीम ने मॉरीटानिया को पीछे छोड़ दिया है। 100वें स्थान पर इस वक्त लेबनाम टीम ने बाजी मारते हुए 99वां स्थान हासिल कर लिया है। बता दें कि साल 2018 में भारतीय टीम की रैंकिंग 96 थी, लेकिन इसके बाद भारत का ग्राफ गिरता चला गया और अब 5 साल के बाद साल 2023 में टीम फिर से डबल डिजिट में रैंकिंग हासिल करने में सफल हुई है। गौरतलब है कि भारतीय फुटबॉल टीम ने जुलाई के पहलो सप्ताह ही सैफ चैंपियनशिप जीती। इस खिताबी मैच में भारतीय टीम ने कुवैत को हराया था। इस शानदार परफॉर्मेंस के बाद भारतीय टीम को खास फायदा मिला है।

रसेल की पारी भी नहीं बचा सकी लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की नैया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट के पहले सीजन का 9वां मैच वाशिंगटन फ्रीडम ने लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। वाशिंगटन की टीम ने टॉस जीतकर लॉस एंजिल्स को पहले बल्लेबाजी करने उतारा। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। लॉस एंजिल्स की ओर से आंद्रे रसेल ने कमाल की पारी खेली, जिसके लिए उन्हे प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि वाशिंगटन ने 18.1 ओवरों में 6 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। लॉस एंजिल्स की खराब शुरुआत- सुनील नरेन की कप्तानी वाली लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। टीम की शुरुआत काफी खराब रही और 68 के स्कोर पर 4 बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट गए, जिसके बाद रसेल ने पारी को संभाला। रसेल ने रिली रोसू के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की।टीम की ओर से आंद्रे रसेल ने अर्धशतक के साथ मैच में सबसे ज्यादा 70 रन जड़े। रसेल ने अपनी पारी में

37 गेंदों पर 6 चौके और 6 छक्व्वेक लगाकर 70 रन बनाए। हालांकि रिले रोसौवेंर्‍गतींदेदलै अपने अर्धशतक से चूक गए और 30 गेंदों में 41 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके अलावा टीम की ओर से कोई भी खिलाड़ी 20 का स्कोर पार नहीं कर सका। अगर गेंदबाजी की बात करें तो टीम के 4 खिलाड़ियों ने एक-एक विकेट चटकाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन मैथ्यू शॉर्ट ने 35 गेंदों में 43 रन बनाए। हालांकि टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही और मैथ्यू शॉर्ट ने एंड्रीज गूस के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़े। कप्तान मोइसेस हेनरिक्स श्दगे पहेग्लि ने ओबस पिएनार के साथ पांचवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े और टीम को जीत दिलाई। गेंदबाजी में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से कप्तान हेनरिक्स ने 26 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए।

राशिफल

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

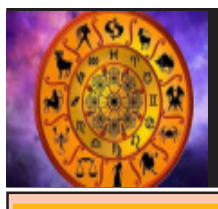

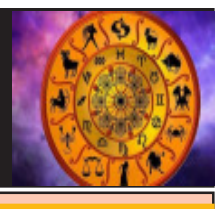

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

रोहित शर्मा का इंटरनेशनल क्रिकेट में हल्ला बोल, इस मामले में धोनी को पछाड़ा

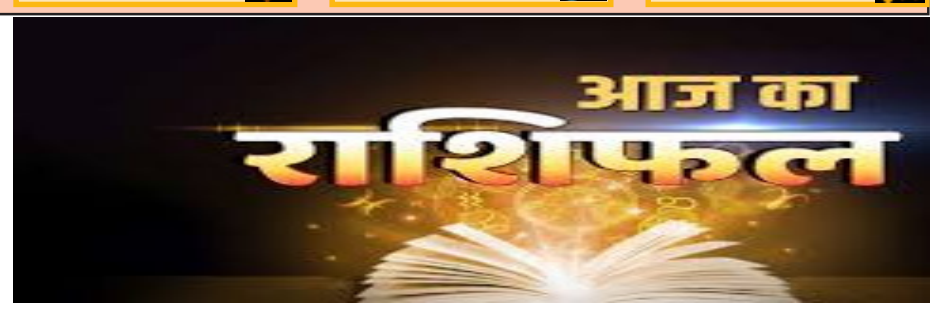

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा इस समय वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में कप्तान रोहित की फॉर्म लौट आई को भी एक मामले में पीछे छोड़ दिया है दरअसल, दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत शानदार रही। यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा के बीच शतकीय साझेदारी हुई। कप्तान रोहित का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 74 गेंदों में तूफानी अर्धशतक ठोका। इस दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया। बता दें कि 36 साल के रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पांचवां

है। पहले टेस्ट में शानदार शतक जड़ने वाले कप्तान रोहित दूसरे मैच में भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे है। उन्होंने 74 गेंदों पर दमदार अर्धशतक जड़ा केमार रोच की गेंद पर रोहितने छक्का लगाकर अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। रोहित ने इंटरनेशनक क्रिकेट में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने एमएस धोनी स्थान हासिल कर लिया है। इस मामले में उन्होंने धोनी को पछाड़ा। एमएस धोनी अब छठे नंबर पर है, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 17092 रन बनाए। रोहित ने धोनी को पीछे छोड़कर खास मुकाम हासिल कर लिया है। अगर बात करें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी की तो सचिन तेंदुलकर का नाम टॉप पर है, जिन्होंने 34357 रन बनाए हैं।

राहुल द्रविड़ ने विराट कोहली की शान में कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के स्टार

बल्लेबाज गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का 500वां मैच खेलने उतरेंगे। कोहली के इस माइलस्टोन पर पहुंचने पर भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हे बधाई दी है। मैच पहले राहुल द्रविड़ ने उनके बारे में दिल खोलकर बात की। साथ ही भविष्यवाणी की क्या उनका क्रिकेट के में भविष्य क्या है। बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर राहुल द्रविड़ का एक वीडियो शेयर किया है। द्रविड़ ने कोहली के 500वें मैच पर बोलते हुए कहा, ठमुझे लगता है कि यह शानदार है और वह इस टीम के कई खिलाड़ियों और भारत में कई लड़कों और लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं। उनका प्रदर्शन आंकड़ों में बोलते हैं।

सम्पादकीय

कई राज्यों में तबाही का मंजर, आपदाओं से निपटने के लिए कौशल और संसाधन बढ़ाने की जरूरत

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और दिल्ली में बारिश व बाढ़ से हुई तबाही भीषण है, पर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ऐसी त्रासदियों के बारे में हम कोई बहाना नहीं बना सकते।जिन चीजों के बारे में ज्यादातर लोग जानते हैं, यदि आप उनसे अनजान नहीं हैं, तो उत्तर भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब और दिल्ली- में बारिश और बाढ़ से हो रही तबाही से आप अनजान नहीं रह सकते। भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ आदि में मौत और इमारतों के बह जाने जैसी तबाही की तस्वीरों को भुला पाना मुश्किल है। खास तौर से हिमाचल प्रदेश बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, जहां 108 लोगों की मौत की खबर है। हम इसके कारण जानते हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अब हम चरम और अनियमित मौसमी घटनाओं के बारे में कोई बहाना नहीं बना सकते। अभूतपूर्व बारिश अब असामान्य घटना नहीं रही। लेकिन यह सिर्फ बार-बार होने वाली चरम मौसमी घटनाओं की मार नहीं है। हम जलवायु परिवर्तन को और अधिक गंभीर बनाने वाले कारकों- अनियोजित शहरीकरण, एक युवा पर्वत श्रृंखला पर, जो अब भी भौगोलिक रूप से सक्रिय है, अनियमित एवं अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी नहीं कर सकते। इन कारकों से कोई बच नहीं सकता। इसके बावजूद हम इनमें से किसी एक की अनदेखी कर अपनी उपेक्षा का परिचय देते हैं। विकास बनाम पर्यावरण की बहस आज अप्रासंगिक हो गई है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में बिना सोचे-समझे किया गया विकास जीवन और आजीविका की तबाही के समान है। वही बुनियादी ढांचा परियोजनाएं इसका निशाना बन रही हैं, जिन्हें विकास का प्रतीक माना जाता है। जलवायु परिवर्तन के समय में इस मुद्दे को विनाश बनाम विकास के रूप में फिर से परिभाषित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि हम किसी संवेदनशील पहाड़ी इलाके में जहां अभी टू-लेन मार्ग है, फोर-लेन राजमार्ग बनाना चाहें, तो इसका मतलब है कि वन क्षेत्र के एक बड़े हिस्से का विनाश। इससे ढलान अस्थिर हो जाएंगे, जिसे फिर से स्थिर होने में दशकों लगेंगे। इसका मतलब यह भी है कि निर्माण और भूस्खलन से निकलने वाला मलबा नदियों के बहाव को बाधित करेगा, जिससे अप्रत्याशित बाढ़ की स्थिति पैदा होगी। यह बस एक उदाहरण है कि कैसे विकास का एक खास मॉडल हमें विनाश के खतरे में डालता है-जिस तरह का विनाश हम अपने टीवी पर देखते हैं। ऐसे में, एक सामान्य नागरिक क्या कर सकता है? आइए, बेहतर जानकारी पाने की शुरुआत करते हैं। जल संसाधन (2022-23) पर गठित स्थायी समिति ने बताया कि हिमस्खलन, बादल फटने और भूस्खलन सहित पहाड़ी खतरों/आपदाओं की घटनाओं में हालिया वृद्धि ने एक मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित किया है। समिति ने जोर देकर कहा कि इन घटनाओं को एक मामले के रूप में अलग करके नहीं देखना चाहिए, बल्कि व्यापक प्रभाव वाली संभावित कई आपदाओं से जोड़कर देखना चाहिए। समिति की रिपोर्ट में महत्वपूर्ण रूप से यह रेखांकित किया गया कि 'मौजूदा चेतावनी प्रणालियां इस तरह की आपदाओं से निपटने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि इन्हें केवल एक आपदा का पूर्वानुमान लगाने के लिए तैयार किया गया है।' समिति ने सिफारिश की कि जल संसाधन विभाग को इस संबंध में पहल करनी चाहिए और एनडीएमए, भारतीय मौसम विभाग एवं संबंधित राज्य सरकारों, जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों से परामर्श करके बहु-आपदा जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए, ताकि संभावित पर्वतीय खतरों के संबंध में सभी हितधारकों को नियमित निगरानी और खतरों/आपदाओं के संबंध में चेतावनियां जारी करने वाली एकल नोडल एजेंसी के तत्वावधान में वास्तविक समय समन्वित तंत्र के साथ एक बहु-आपदा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित की जा सके।एक बड़ा मुद्दा जल सुरक्षा का भी है। इसमें हिमालयी ग्लेशियर रणनीतिक भूमिका निभाते हैं। तीन प्रमुख भारतीय नदी प्रणालियां ग्लेशियर से पोषित हैं, जो देश को पेयजल जरूरतों, पनबिजली, उद्योग, कृषि आदि जैसे विभिन्न उपयोगों के लिए जल सुरक्षा प्रदान करती हैं।

विकसित भारत के महानगर में बाढ़ शहरी नियोजन पर उठे सवाल

बाढ़ के प्रति सरकारों की अगंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि दिल्ली में पिछले दो साल से बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक ही नहीं हुई। हमारा देश विकसित मुल्कों की सूची में शामिल होने वाला है। ऐसे में, राजधानी दिल्ली में बाढ़ और जलभराव के जो हालात बने, वे देश की छवि के लिहाज से अच्छे नहीं हैं। वैसे भी यह एक गंभीर विचारणीय प्रश्न है कि पिछले कुछ वर्षों से देश के प्रमुख राज्यों के ज्यादातर शहरों में सामान्य मानसून के मौसम में भी बाढ़ जैसे हालात क्यों बन जाते हैं। इंदौर का ही उदाहरण लें, जहां कभी 24 घंटों में 17 इंच और उससे भी अधिक पानी गिरने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, फिर भी बाढ़ की स्थिति पैदा नहीं हुई। लेकिन आज उससे आधी बारिश होने पर भी शहरों में चारों तरफ जलभराव और बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि पिछले चार-पांच दशकों में देश के महानगरों में जो अकल्पनीय, अनियोजित और बेतरतीब विकास हुआ है, उसके कारण वर्षा के समय उसके दुष्परिणाम शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के रूप में दिखने लगे हैं। मुंबई में भी कुछ साल पहले जब एक दिन में करीब 30 इंच बारिश हुई थी, तब वहां हालात भयावह हो गए थे। ऐसी स्थिति पैदा होने का मुख्य कारण है नदी एवं जलभराव क्षेत्रों को लेकर निर्माण की राष्ट्रीय नीति का पालन न होना। सड़कों पर वर्षाजल की निकासी के लिए जो क्रॉसिंग होनी चाहिए या तो उसका निर्माण नहीं हुआ, और यदि कहीं पर हुआ भी, तो उसका आकार इतना छोटा है कि पानी की निकासी सही प्रकार से नहीं हो पाती। देखा गया है कि 1980 के बाद देश में

जितनी भी शहरी कॉलोनियां बनी हैं, उनमें से ज्यादातर में कहीं भी बरसात के पानी की निकासी पर कोई योजनाबद्ध कार्य नहीं किया गया है। फिर शहरों में बिल्डरों तथा माफिया ने शासन-प्रशासन की मिलीभगत से डूब वाले इलाकों में बस्तियां बसानी शुरू कर दी हैं। दिल्ली के यमुना क्षेत्र में बसाई गई बस्तियां इसका उदाहरण हैं, जो इन दिनों जलमग्न हैं। ऐसे हालात देश के दूसरे शहरों में भी हैं। पहले शहरों में नदियों के किनारे जो खुले मैदान होते थे, अब वहां केवल भवन और गैरकानूनी बस्तियां दिखती हैं।देश के नगरों-महानगरों में नगर विकास प्राधिकरण हैं, जिनकी जिम्मेदारी होती है भवन निर्माण, सड़क, जल निकासी तथा अन्य जन सुविधा के कार्यों की योजना बनाना तथा इनका निर्माण करवाना। परंतु इस बार की बाढ़ देखकर लगता नहीं कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने कार्य क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से भवन निर्माण और पानी निकासी का कोई काम किया है। सर्वोच्च न्यायालय तथा उसके आसपास के पूरे क्षेत्र में पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण वहां के निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बाढ़ के प्रति सरकारों की अगंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि दिल्ली में पिछले दो साल से बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक ही नहीं हुई! इस समिति में दिल्ली और केंद्र सरकार, सेना व केंद्रीय जल आयोग सहित विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाता है। इस उपेक्षा का नतीजा है कि दिल्ली के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भीषण जलभराव हुआ और गलियों में नावों के जरिये जरूरी सामान जनता तक पहुंचाने की नौबत आई। इस तरह के हालात हालांकि अन्य राज्यों में भी हैं।जागरूक व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा के बाद वह इसकी जांच करे कि आखिर किन वजहों से इन आपदाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। लिहाजा इस साल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत दूसरे शहरों में आई बाढ़ के बाद जरूरी है कि राष्ट्रीय स्तर पर एक अध्ययन दल का गठन किया जाए, जो यह पता लगाए कि सामान्य से ज्यादा बारिश होने से शहरी इलाकों में बाढ़ की स्थिति क्यों पैदा हुई। यदि भारतीय सेना में इस प्रकार का कोई हादसा होता है, तो वहां जांच यह तय करती है कि इस हादसे को रोकने की जिम्मेदारी किसकी थी और उसके बाद जिम्मेदारी तय कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाती है। यदि प्रशासनिक व्यवस्था में कार्यरत अधिकारियों के विरुद्ध भी ऐसे ही प्रावधान हों, तो भविष्य में दिल्ली, गाजियाबाद और आगरा जैसी बाढ़ की स्थिति देश के किसी भी शहर में पैदा नहीं होगी।

कारोबारी बढ़त की संभावनाओं के बीच सतत विकास की राह पर अर्थ-तंत्र

भारत में कारोबार के तेजी से बढ़ने, टिकाऊ आर्थिक विकास और निवेश साख बढ़ने की अभूतपूर्व संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस और अमेरिका की यात्राओं के दौरान इन देशों के साथ जो महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, उनसे भारत में कारोबार के तेजी से बढ़ने तथा टिकाऊ आर्थिक विकास व निवेश साख बढ़ने की अभूतपूर्व संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट-2023, इनवेस्को ग्लोबल की सोवरेन वेल्थ फंड निवेश रिपोर्ट-2023 और निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की भारत की आर्थिक संभावना रिपोर्ट-2023 में भी भारत की बढ़ती हुई आर्थिक, वित्तीय और निवेश अहमियत को रेखांकित किया गया है। यूएनईएससीएपी की रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबसे आगे पहुंच गया है। इनवेस्को ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, सोवरेन वेल्थ फंड के निवेश को लेकर दुनिया के 142 मुख्य निवेश अधिकारियों ने भारत को पहली पसंद बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कारोबारी व राजनीतिक स्थिरता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो उसका मजबूत पक्ष है। भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, राजकोषीय घाटा कम हो रहा है और राजस्व संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा, भारत की आबादी, नियामक पहल और सोवरेन निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल से भी भारत के निवेश के लिए पहली पसंद बनने में मदद मिली है। विकासशील देशों में निवेश के लिए अब चीन नहीं, बल्कि भारत निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए नवाचार और बढ़ती श्रमिक उत्पादकता महत्वपूर्ण होने जा रही है। पूंजी निवेश भी भविष्य में विकास का एक महत्वपूर्ण चालक होगा। बढ़ती आय और गहरे वित्तीय क्षेत्र के विकास के साथ अनुकूल जनसांख्यिकी के कारण भारत की बचत दर बढ़ने की उम्मीद है। निस्संदेह वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत तेजी से टिकाऊ विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट-2023 में कहा गया है कि देश में बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो रहा है। बैंक और कंपनियों के बही-खाते मजबूत हुए हैं। मार्च, 2023 में देश के बैंकों के फंसे हुए कर्ज का अनुपात घटकर 3.9 फीसदी और शुद्ध एनपीए अनुपात एक फीसदी रह गया है, जो विगत 10 साल का निम्नतम स्तर है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है। दुनिया भर के वित्तीय संगठनों और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर के छह से 6.5 फीसदी रहने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माता है और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। भारत का फार्मा उद्योग उत्पादित मात्रा के आधार पर दुनिया में तीसरे क्रम पर है। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। देश में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत नौ वर्षों में करीब 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किया गया है। घरेलू मांग भारतीय अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत है। भारत में निवेश पर बेहतर रिटर्न मिलता है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और बढ़ते हुए मध्यवर्ग की क्रयशक्ति के कारण भारत की आर्थिक अहमियत तेजी से बढ़ी है। भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए टिकाऊ आर्थिक वृद्धि एवं निवेश साख को और मजबूत बनाना होगा, देश में लागू नई लॉजिस्टिक नीति व गति शक्ति योजना के कारगर अमल पर अधिक ध्यान देना होगा, सभी उत्पादों के कारोबार के लिए सिंगल विंडो मंजूरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुशल श्रमिकों की आपूर्ति के साथ-साथ विभिन्न आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा तथा श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ानी होगी।

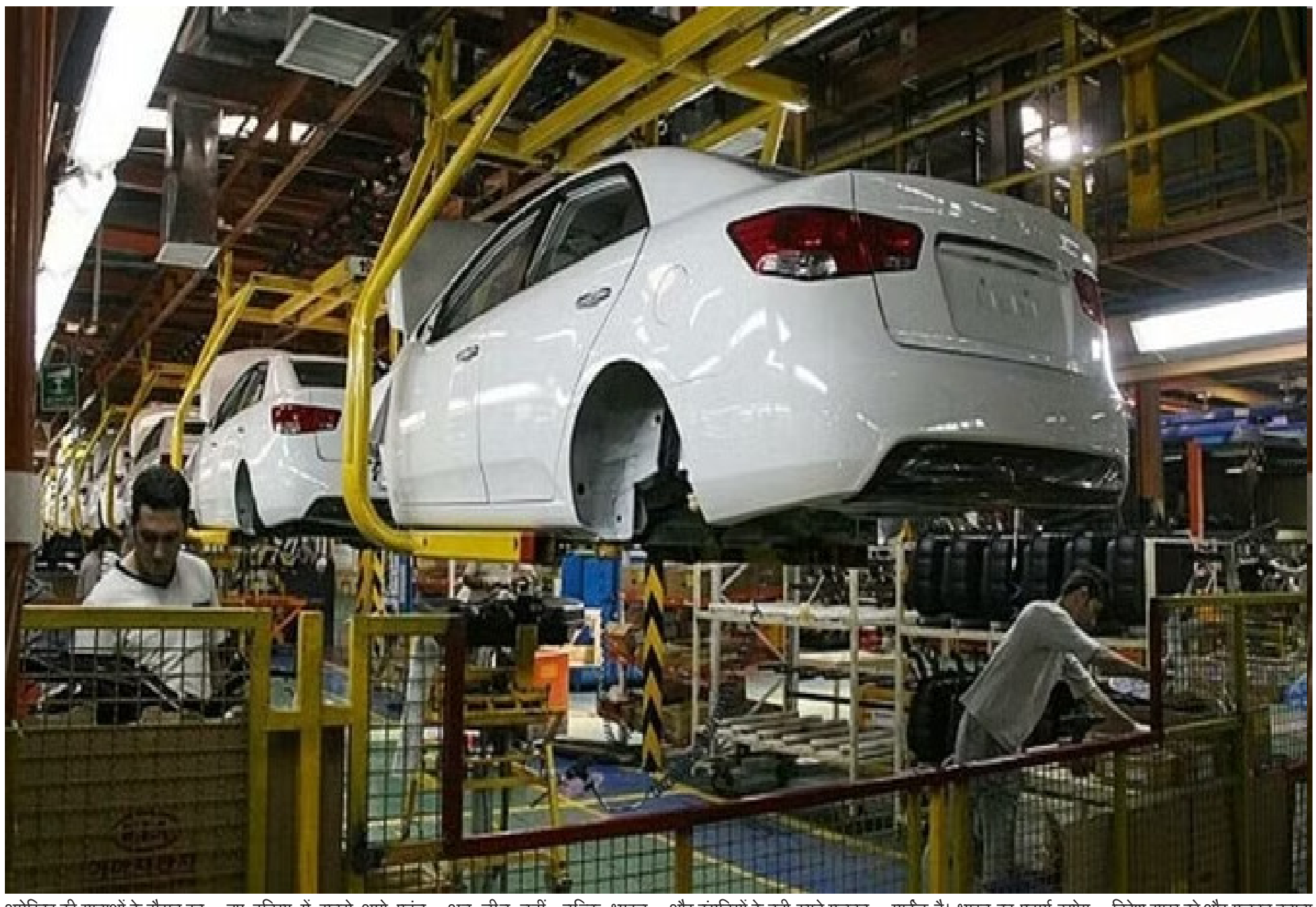

औद्योगिक नौकरियां कहां हैं, विनिर्माण रोजगार में रुकीं वृद्धि की राहें

दुनिया का कोई भी देश मजबूत विनिर्माण आधार के बगैर गरीबी कम करने या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को बनाए रखने में कामयाब नहीं हुआ है। वर्ष 1979-2014 के बीच विनिर्माण जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) का योगदान भारत के कुल घरेलू उत्पाद

में 16-18 फीसदी के बीच रहा, जो उसके बाद 2019 तक गिरकर 13 फीसदी रह गया। हालांकि उम्मीद है कि 2022-23 में इसमें सुधार होगा। इसके विपरीत, बांग्लादेश में यह आंकड़ा 2021 में बढ़कर 21 फीसदी हो गया और वियतनाम में यह 2021 में कुल उत्पाद का 25 फीसदी तक हो गया। इन देशों ने एफडीआई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी आकर्षित किया ह भारत में विनिर्माण रोजगार में वृद्धि नहीं हुई है, जबकि यह अत्यंत श्रम अधिशेष अर्थव्यवस्था है। ऐसे में आवश्यक है कि श्रम गहन विनिर्माण उद्योगों की अधिक से अधिक स्थापना हो, लेकिन उसके बिल्कुल विपरीत हो रहा है। देश में करीब चार करोड़ बेरोजगार हैं, और हर वर्ष श्रम बल में 50-60 लाख लोग और जुड़ रहे हैं। इस बीच कुल काम के हिस्से के रूप में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार 2019-22 के बीच गिरकर (जीडीपी में विनिर्माण योगदान की तरह) 11.6 फीसदी से कम हो गया है। यह तब है, जब 'मेक इन इंडिया' और औद्योगिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) लागू की गई है। 1991 के बाद से भारत में कभी कोई स्पष्ट औद्योगिक नीति या विनिर्माण रणनीति नहीं रही है। औद्योगिक नीति वक्तव्य (1991) में यह सुनिश्चित करने के उपाय बहुत कम थे कि भारत की विनिर्माण क्षमता मजबूत हो। आखिरकार 2011 में ही सरकार एक राष्ट्रीय विनिर्माण रणनीति लेकर आई, जिसके बाद 2012 में एक इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और विनिर्माण नीति बनाई गई। वर्ष 2015 में जारी 'मेक इन इंडिया' कोई औद्योगिक नीति नहीं थी, क्योंकि इसमें केवल व्यापार करने में आसानी और एफडीआई आकर्षित करने पर जोर दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा के दौरान दो युवतियों की नग्न परेड के वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। गुरुवार को कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए घटना को बेहद परेशान करने वाला और अस्वीकार्य करार दिया। प्रधान

न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा वीडियो बेहद परेशान करने वाला है। उन्होंने कहा सांप्रदायिक संघर्ष के दौरान हिंसा को अंजाम देने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल एक साधन के रूप में करना बहुत ही परेशान करने वाला है, संवैधानिक लोकतंत्र में यह अस्वीकार्य है। दो युवतियों की नग्न परेड के वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा वीडियो बेहद परेशान करने वाला है। ण्व्य् ने कहा कि यह संवैधानिक अधिकारों और मानवाधिकारों का घनघोर उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा सरकार तत्काल कार्रवाई करे अन्यथा हम करेंगे कार्रवाई। एण् ने मणिपुर की सरकार और केंद्र सरकार से मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। प्रधान न्यायाधीश ने आगे कहा कि यह संवैधानिक अधिकारों और मानवाधिकारों का घनघोर उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर की सरकार और केंद्र सरकार से इस मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। मणिपुर में हिंसा के दौरान दो युवतियों को भीड़ द्वारा नग्न परेड कराए जाने का एक वीडियो कल यानी बुधवार शाम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लिया है। गुरुवार की सुबह साढ़े दस बजे जैसे ही प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ अति आवश्यक मामलों की मेंशनिंग सुनने के लिए बैठी जस्टिस चंद्रचूड़ ने मणिपुर के वीडियो का जिक्र किया।

ककलपुर सचिव निकला ठागोरा, पीसीसी सड़क निर्माण व हैंडपंप की किस्त का फर्जीवाड़ा कर हुआ रफूचक्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सतना। लाखों का ठगी कर सचिव हुआ फरार, ककलपुर पंचायत के कार्यों के लिए आई हुई किस्त, सरपंच ने र्ण्ध् को सौंपा ज्ञापन सतना जिला के जनपद पंचायत अमरपाटन के ग्राम पंचायत ककलपुर में पंचायती कार्यों पीसीसी सड़क निर्माण का भुगतान निर्माण एजेंसी अजय ट्रेडर्स एवं हार्डवेयर को 4 लाख 20 हज़ार 875 रुपए प्रस्ताव बिल करवाया व 1 प्ज् मोटर पानी टंकी 2 नग का बिल 1लाख 5 हज़ार 670 रुपए ट्रेडर्स देवेन्द्र सिंह को भी ग्राम पंचायत प्रस्ताव बिल सरपंच ने करवाया, लेकिन पंचायत सचिव रामानंद सिंह द्वारा 4 लाख 20 हज़ार 875 रुपए के स्थान पर 5 लाख का फर्जी बिल बिना सामग्री क्रम के महाकाल ट्रेडर्स को व 2 मोटर पम्पों का बिल 1 लाख 5 हज़ार 670 रुपए का भुगतान विजय इलेक्ट्रिकल्स रीवा को करवा दिया, जिससे ग्राम पंचायत में पीसीसी निर्माण व 1 प्ज् मोटर लगाने का एजेंसी टेंडर्स

का शेष रुपए बकाया है, एवं सरपंच ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव रामानंद सिंह ने भुगतान मूल्यांकन से अधिक अन्य पार्टियों अकाउंट में पैसा बिल फर्जीवाड़ा कर भुगतान कर दिया है, सरपंच ने बताया मुझे शंक है सचिव द्वारा पिछले निर्माण कार्यों का भुगतान अन्य पार्टियों को करवा दिये होगे कुलराशि 6 लाख 5 हज़ार 670 रुपए व ग्राम पंचायत कार्यों के लिए लैपटॉप का भुगतान 50 हज़ार कर दिया गया था किन्तु लैपटॉप सचिव द्वारा आज दिनांक तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन ककलपुर में नहीं लाया गया, जिससे पंचायत के कार्य बंधित है, जिसके बाद सरपंच द्वारा लगातार फोन लगाने पर कॉल नहीं उठाया एवं दिनांक 9/7/23 से फ़ोन बंद फरार सचिव, जबकि फ़र्ज़ी बिल भुगतान अपने बेटे के खाते में जमा कर दिया है, एवं सरपंच ने जिला र्ण्ध् से भुगतान मूल्यांकन ट्रेडर्स को रुपए दिलाने की गुहार लगाई हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे भारत, संबंध मजबूती पर होगी वार्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे दो दिवसीय यात्रा पर गुरुवार को भारत आ गए। उनके साथ श्रीलंका के पांच मंत्री भी नई दिल्ली आए हैं। राष्ट्रपति के तौर पर विक्रमसिंघे की यह पहली भारत यात्रा है। यहां पर वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात करेंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे दो दिवसीय यात्रा पर गुरुवार को भारत आ गए। उनके साथ श्रीलंका के पांच मंत्री भी नई दिल्ली आए हैं। राष्ट्रपति के तौर पर विक्रमसिंघे की यह पहली भारत यात्रा है। यहां पर वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात करेंगे। भारत ने विक्रमसिंघे की यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण बताया है। भारत ने विक्रमसिंघे की यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण बताया है। हवाई अड्डे पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने श्रीलंका के राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने गरबा और अन्य प्रस्तुतियों से श्रीलंकाई अतिथियों के आगमन पर खुशी जताई। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे प्रधानमंत्री मोदी के आमंत्रण पर भारत आए हैं। भारत ने श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण बताया है। कहा है कि श्रीलंका के साथ भारत के संबंध महत्वपूर्ण और बहुमुखी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि वैसे तो दोनों देशों के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंध हैं लेकिन इन्हें कैसे और ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। श्रीलंका को मदद करना जारी रखेगा भारत यह दोनों देशों के नेताओं की वार्ता में निश्चित किया जाएगा। इस दौरान दोनों देशों के लाभ वाले क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनमें सहयोग बढ़ाया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भारत ने जो मदद की थी, वह अभी जारी है। इससे श्रीलंका को सबल बनने में बहुत सहायता मिल रही है।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे से वार्ता में वह भारतीय मछुआरों के मछली पकड़ने के अधिकार पर चर्चा करें। स्टालिन ने कहा है कि भारतीय मछुआरे सैकड़ों वर्षों से परंपरागत रूप से समुद्र में मछली पकड़ने के कार्य करते हैं लेकिन श्रीलंका द्वारा अब उन्हें रोका जा रहा है। स्टालिन ने काचातीवू द्वीप की वापसी के लिए श्रीलंका पर जोर डालने का भी प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है। यह वह द्वीप है जो भारत ने श्रीलंका को सौहार्दपूर्ण तरीके से दशकों पूर्व दिया था।

सपा नोएडा के सैकड़ों समाजवादी जंतर मंतर पहुंचकर आजाद समाज पार्टी के धरना प्रदर्शन को दिया समर्थन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के ऊपर प्राणघातक हमले के विरोध तथा उनकी सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार के ढीले रवैए के खिलाफ आजाद समाज पार्टी द्वारा आज जंतर मंतर दिल्ली में आयोजित धरना प्रदर्शन में सपा नोएडा महानगर इकाई ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में दिल्ली के जंतर मंतर पर पहुंचकर धरने प्रदर्शन में शामिल हुए और उनका समर्थन करने का काम किया और उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का क्या होगा यूपी में जंगलराज है, महासचिव विकास यादव ने कहा यूपी में विपक्ष अब सत्ता और अपराधियों दोनों के निशाने पर हैं प्रदर्शन में मौजूद

मुख्य लोगों में संजय त्यागी, मुकेश प्रधान, मोहम्मद नौशाद, देवेंद्र अवाना, बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव, बबली शर्मा, शकील अहमद,मुन्ना आलम, उदयवीर यादव, वीरपाल प्रधान, वीरपाल अवाना, राघवेंद्र दुबे, केपी यादव ,अतुल यादव ,मोनू खारी, जितेंद्र सिंह, मुकेश भट्ट,रंजीत पटेल विकास कुंडिया, अरुण यादव, महकार सिंह तवर,राणा मुखर्जी, विपिन अग्रवाल,सौरभ चौहान, अनिल शर्मा, साहिल चौधरी ,गुलजार अल्वी ,सुरेंदर कुमार, शिव कुमार यादव, रामवीर यादव ,अरविंद चौहान, तनवीर हुसैन, उदय सिंह जाटव ,सतवीर गौतम, सुरेंद्र गौतम, पंकज झा, देवाशीष बोस, सतवीर यादव, राहुल यादव ,शेखर यादव, लोकेश यादव,बिल्लू सैफी, प्रवीण शर्मा, नसरुद्दीन सैफी, पिंटू त्यागी, नितिन बाल्मीकि, चिंटू त्यागी , वीरेंद्र बाल्मीकि, धर्मेंद्र बाल्मीकि, राजू टॉक, सिकंदर पासवान, अच्छे मियां, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अदालती आदेशों के कारण यूसीसी पर नए सिरे से परामर्श की जरूरत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि विषय की प्रासंगिकता व महत्ता और विभिन्न अदालती आदेशों की वजह से विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर नए सिरे से परामर्श शुरू किया है यूसीसी के तौर-तरीकों पर एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मेघवाल ने कहा कि चूंकि विधि आयोग अभी परामर्श करने की प्रक्रिया में है इसलिए इस चरण में तौर-तरीकों का सवाल ही नहीं उठता। पिछले हफ्ते विधि आयोग ने यह कहते हुए यूसीसी पर विचार भेजने की समयसीमा 28 जुलाई तक बढ़ा दी थी इस संदर्भ में काफी प्रतिक्रियाएं मिली हैं राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि 21वें विधि आयोग ने 31 अगस्त, 2018 को 'परिवार कानून के सुधार' पर एक परामर्श पत्र जारी किया था। लेकिन आयोग ने इस विषय पर रिपोर्ट दाखिल नहीं की थी। चूंकि उक्त परामर्श पत्र को जारी हुए चार वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, इसलिए 22वें विधि आयोग (वर्तमान आयोग) ने 14 जून, 2023 को इस विषय की प्रासंगिकता व महत्ता और यूसीसी पर विभिन्न अदालती आदेशों को ध्यान में रखते हुए जन सामान्य और धार्मिक संगठनों के विचारों को आमंत्रित करने का फैसला किया यूसीसी के तौर-तरीकों पर एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मेघवाल ने कहा कि चूंकि विधि आयोग अभी परामर्श करने की प्रक्रिया में है इसलिए इस चरण में तौर-तरीकों का सवाल ही नहीं उठता। पिछले हफ्ते विधि आयोग ने यह कहते हुए यूसीसी पर विचार भेजने की समयसीमा 28 जुलाई तक बढ़ा दी थी कि इस संदर्भ में काफी प्रतिक्रियाएं मिली हैं और लोगों ने सुझाव देने के लिए और समय देने की मांग की है। इससे पहले 21वें विधि आयोग ने इस विषय पर विचार किया था और दो बार सभी पक्षों के विचार आमंत्रित किए थे। इस आयोग का कार्यकाल अगस्त, 2018 में समाप्त हो गया था।

गालंद में क्षत्रिय राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर जयंती पर राजपूतों ने किया सिस्टम हैंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। गालंद क्षत्रिय राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर की जयंती पर साठा चौरासी के राजपूत युवाओं ने हजारों की संख्या में शामिल होकर एक बाइक रैली का आयोजन किया। बाइक रैली जनपद हापुड़ की सीमा से सटे गांव गालंद से शुरू हुई। जिसका समापन साठा के गांव पिलुखवा कालिज में किया गया। करीब 10किलोमीटर तक निकली रैली के दौरान सिस्टम हैंग नजर आया। क्षेत्र में कई स्थानों पर हवन किया गया, मीठा जल व फल वितरण किये गये। समाजसेवी मोहित तोमर ने कहा कि क्षत्रिय राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर जी । वे जाति से भी ऊपर हैं। उनका सम्मान पूरा देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व करता है। और भूपेंद्र तोमर ने कहा कि क्षत्रिय राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर की वीरता पूरे विश्व के लिए आदर्श है। क्षत्रिय राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर की जयंती पर साठा चौरासी के राजपूत युवाओं ने हजारों की संख्या में शामिल होकर एक बाइक रैली का आयोजन किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि , राष्ट्रवादी प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित व भाजपा नेता ब्लाक प्रमुख धौलाना निशांत सिसौदिया राणा, एवं समस्त साठ चौरासी परिवार उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर पवन कल्याण के खिलाफ कार्रवाई करेगी आंध्र प्रदेश सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश सरकार ने गांव और वार्ड के स्वयंसेवकों के खिलाफ टिप्पणी के लिए जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किया। आदेश में आगे कहा गया स्वयंसेवक जिनकी सेवाओं ने विशेष रूप से कोरोना वायरस की महामारी के दौरान चौतरफा सराहना हासिल की वे परेशान हैं कि पवन कल्याण ने सरकार की छवि खराब करने के लिए जानबूझकर उन्हें निशाना बनाया और अब उनके खिलाफ हथियार उठा रहे हैं। सरकारी आदेश में कहा गया कि पवन कल्याण ने राज्य सरकार के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए। सरकारी आदेश में कहा गया कि पवन कल्याण ने अपनी वाराही विजया यात्रा के दौरान 9 जुलाई, 2023 को एलुरु में गांव और वार्ड स्वयंसेवक प्रणाली और राज्य सरकार के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए। आदेश में आगे कहा गया, ठस्वयंसेवक, जिनकी सेवाओं ने, विशेष रूप से कोरोना वायरस की महामारी के दौरान, चौतरफा सराहना हासिल की, वे परेशान हैं कि पवन कल्याण ने सरकार की छवि खराब करने के लिए जानबूझकर उन्हें निशाना बनाया और अब उनके खिलाफ हथियार उठा रहे हैं।

56वां आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम एवं फर्नीचर मेला'23

12-16 अक्टूबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आत्म और फर्नीचर मेला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। एनसीआर 21 जुलाई, 2023 - दुनिया के सबसे बड़े हस्तशिल्प मेलों में से एक यानी आईएचजीएफ-दिल्ली मेला ऑटम

एवं फर्नीचर मेला'23 का 56 वां संस्करण 12-16 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया जाएगा। सभी हितधारक - प्रतिभागि और आगंतुक इस मेगा सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से कारोबार का विस्तार करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह मेला ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में विदेशी खरीदारों, खरीदारी और सोर्सिंग पेशेवरों के साथ-साथ बड़े घरेलू वॉल्यूम खुदरा खरीदारों के लिए खुला है मेले के 56वें संस्करण को सफलतापूर्वक आयोजित करने मैं लिए अपने विशाल अनुभव को साझा करने के लिए आज आयोजित मेला समिति की बैठक के दौरान नरेश बोथरा को आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम एवं फर्नीचर मेला स्वागत समिति'2023 के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है, आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक-ईपीसीएच ने सूचित किया।ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने बताया, नरेश बोथरा, मैनेजमेंट ग्रेजुएट, 1994 से जोधपुर, राजस्थान के प्रमुख हस्तशिल्प निर्यातक हैं और मेसर्स बोथरा इंटरनेशनल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वह दुनिया भर में 30 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। वह विभिन्न समितियों के सदस्य रहे हैं और निर्यात प्रोत्साहन में उनके योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं। वह जोधपुर हस्तशिल्प निर्यातक महासंघ (जेएचईएफ) के अध्यक्ष और बोधि इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष भी हैं । इस अवसर पर बोलते हुए नरेश बोथरा ने बताया कि पांच दिवसीय मेले में देश भर के हस्तशिल्प निर्यातकों के स्थायी मार्ट सहित 3000 घरेलू, जीवनशैली, फैशन, कपड़ा और फर्नीचर उत्पाद एक ही छत के नीचे आएंगे। श्री बोथरा ने आगे कहा, यह मेला अपनी तरह का एक अनूठा मेला है और इस संस्करण में हाउसवेयर, होम फर्निशिंग, फर्नीचर, उपहार और सजावटी सामान, लैंप और प्रकाश व्यवस्था, क्रिसमस और उत्सव सजावट, फैशन आभूषण और सहायक उपकरण, स्पा और कल्याण, कालीन और गलीचे, बाथरूम सहायक उपकरण, उद्यान सहायक उपकरण, शैक्षिक खिलौने और खेल, हस्तनिर्मित कागज उत्पाद और स्टेशनरी और चमड़े के बैग जैसी 14 उत्पाद श्रेणियों में फैले 2000६ नए उत्पादों और 300६ डिज़ाइन अभिव्यक्तियों का विस्तृत चयन होगा। प्रदर्शनी में शिल्प निर्माण केंद्रों और समूहों का सशक्त प्रतिनिधित्व होगा। आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक-ईपीसीएच ने आगे बताया कि श्री नरेश बोथरा अपने व्यापक अनुभव और ज्ञान के साथ अपने मूल्यवान इनपुट से इस विश्व प्रसिद्ध आईएचजीएफ दिल्ली मेले को और मजबूत करेंगे और इसके परिणामस्वरूप 56वें संस्करण आईएचजीएफ दिल्ली मेले का सफल आयोजन होगा।

छोटे स्टेशनों की पहचान करना अब आसान, शहर के नाम पर क्लिक करते ही दिखेगी लिस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए लोकप्रिय क्षेत्रों को स्टेशन के नाम से जोड़ने की पहल की है। इस नवाचार से प्रसिद्ध क्षेत्रों और शहरों वाले छोटे स्टेशनों की पहचान करना आसान हो जाएगा। टिकट बुकिंग के दौरान किसी बड़े शहर के नाम पर क्लिक करते ही आसपास के प्रसिद्ध स्थलों एवं वहां से खुलने वाली ट्रेनों की सूची सामने आ जाएगी। यह अभिनव प्रयोग शुक्रवार से देश भर के 175 शहरों में प्रारंभ हो जाएगी। इससे शहरों एवं स्टेशनों का नाम पता लगाना आसान होगा। उदाहरण के लिए बनारस के नाम पर क्लिक करते ही सारनाथ दिलवा एवं राजा तालाब आदि का नाम सामने आ जाएगा। इसी तरह लखनऊ के नाम पर क्लिक करते ही गोमतीनगर डाली गंज ऐशबाग आदि प्रमुख जगहों का नाम दिखने लगेगा। यह अभिनव प्रयोग शुक्रवार से देश भर के 175 शहरों में प्रारंभ हो जाएगी। इससे शहरों एवं स्टेशनों का नाम पता लगाना आसान होगा। उदाहरण के लिए बनारस के नाम पर क्लिक करते ही सारनाथ, दिलवा एवं राजा तालाब आदि का नाम सामने आ जाएगा। इसी तरह लखनऊ के नाम पर क्लिक करते ही गोमतीनगर, डाली गंज, ऐशबाग आदि प्रमुख जगहों का नाम दिखने लगेगा। पर्यटन महत्व के स्थानों जैसे काशी, खाटू श्याम, बद्रीनाथ, केदारनाथ एवं वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख स्थलों को भी निकटतम स्टेशन से मैप किया गया। इससे यात्रा के लिए तैयारी करते समय वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप पर टिकट बुकिंग में सहूलियत होगी। पर्यटकों को स्टेशन खोजने में भी आसानी होगी। साथ ही यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। रेलवे ने यह नवाचार इसलिए किया है कि कभी-कभी स्थानीय या लोकप्रिय नाम रेलवे स्टेशन के नामों से भिन्न होते हैं, जिससे टिकट बुक करते समय भ्रम की स्थिति होती है।

दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश के लिए रिसर्च का आधार बनेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का मिशन चंद्रयान-3 की 14 जुलाई को सफल लॉन्चिंग हुई। यह तारीख भारतीय इतिहास में सुनहरे अक्षरों से अंकित हो गई। इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एलवीएम-3 ने उड़ान भरी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (घ्ैंध्) का मिशन चंद्रयान-3 की 14 जुलाई को सफल लॉन्चिंग हुई। चंद्रयान-3 की मदद से इसरो चंद्रमा पर पानी और खनिज की मौजूदगी की जांच करना चाहता है। अगर दक्षिणी ध्रुव पर पानी और खनिज मिलता है तो यह विज्ञान के लिए बड़ी कामयाबी होगी। नासा के मुताबिक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ है और यहां कई और खनिज संपदा मौजूद हो सकती है। अगर चंद्रयान-3 चंदा मामा की सतह पर सफल लैंडिंग करता है तो भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएगा जिसमें अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ (रूस) शामिल हैं। बता दें कि चंद्रयान-3 के 23 अगस्त को चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की संभावना है। चंद्रयान-3 की मदद से इसरो चंद्रमा पर पानी और खनिज की मौजूदगी की जांच करना चाहता है। अगर दक्षिणी ध्रुव पर पानी और खनिज मिलता है तो यह विज्ञान के लिए बड़ी कामयाबी होगी। नासा के मुताबिक, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ है और यहां कई और खनिज संपदा मौजूद हो सकती है। चंद्रयान-3 कोई नया मिशन नहीं, बल्कि चंद्रयान-2 का फॉलोअप मिशन है। हालांकि, चार साल पहले लॉन्च किए गए चंद्रयान-2 ने ऑर्बिटर की तैनाती सफलतापूर्वक की थी, लेकिन इसका लैंडर और रोवर तबाह हो गया था। इसी बीच इसरो के प्रमुख केंद्र स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (ऐंण्) के निदेशक, नीलेश एम. देसाई के साथ जागरण ने खास बातचीत की। इस दौरान मिशन में शामिल तकनीकी प्रगति, चंद्रमा से पृथ्वी पर सूचना पहुंचाने का कम्युनिकेशन माध्यम सहित इत्यादि विषयों पर विस्तृत बातचीत हुई।नीलेश एम. देसाई ने बताया कि हमारे चंद्रयान कार्यक्रम की शुरुआत 2003-2004 में हुई। हमने 2008 में चंद्रयान-1 लॉन्च किया और अगले 10 साल तक मेहनत करते हुए चंद्रयान-2 लॉन्च किया, लेकिन चंद्रयान-2 की सफल लॉन्चिंग के बावजूद लैंडिंग सफलतापूर्वक नहीं हो पाई। इसी बीच चंद्रयान-3 में शामिल तकनीकी प्रगति पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार लगभग 21 बदलाव किए गए हैं, लेकिन यह बदलाव पिछले मिशन के कार्यान्वयन में आई किसी कमी की वजह से नहीं किए गए हैं। कहा कि पिछली बार हमने लक्ष्य हासिल करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया था, लेकिन इस बार हमने पुराने अनुभवों से सीख लेते हुए एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है। इस बार खासतौर पर लैंडिंग को लेकर डिजाइन तैयार किया गया है, जिसमें विशेषतौर पर यह सुनिश्चित किया गया है कि खराब परिस्थितियों में भी सुरक्षित लैंडिंग हो सके। चंद्रयान-3 में नए सेंसर भी स्थापित किए गए हैं। यह वैज्ञानिकों को व्यापक प्रसंस्करण के बजाय सेंसर डेटा पर अधिक भरोसा करने की अनुमति देता है, जिससे कॉन्फिगरेशन की समग्र मजबूती बढ़ती है। देसाई ने इस मिशन से अपेक्षित संभावित विज्ञानी खोजों पर भी बातचीत की।

मणिपुर घटना पर खौला प्रियंका चोपड़ा का खून, महिलाओं को मोहरा बनाने पर सुनाई खरी-खरी

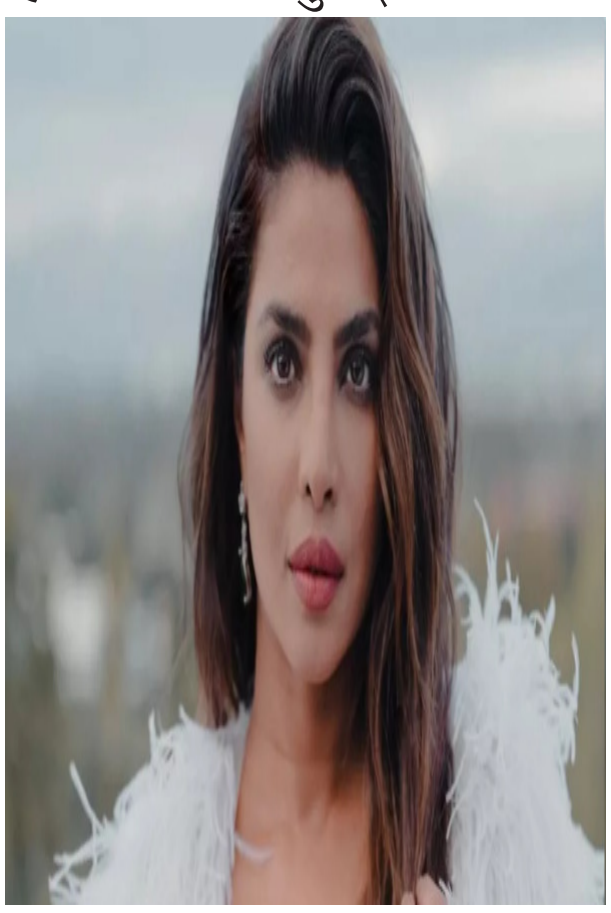

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर गहमा गहमी जारी है। हाल ही में राज्य से पुरुषों के एक समूह द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाए जाने का वीडियो सामने आए था, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मणिपुर हिंसा के इस वीडियो को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले पर बीते दिन बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने रिएक्ट किया था। वहीं, अब घटर को लेकर प्रियंका चोपड़ा का खून खौल उठा है। अक्षय कुमार ने भी मणिपुर की इस घटना पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। वो सबसे स्टार थे जिन्होंने मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना पर रिएक्ट किया था।ेदसह मणिपुर से हाल ही में पुरुषों के एक समूह द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाए जाने का वीडियो सामने आए था जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले पर बीते दिन बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने रिएक्ट किया था। वहीं अब घटर को लेकर प्रियंका चोपड़ा का खून खौल उठा है।

50 साल की उम्र में अर्जुन रामपाल चौथी बार बने पिता, गर्लफ्रेंड ने बेटे को दिया जन्म

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल ने गुड न्यूज़ शेयर की है। एक्टर ने अपने चौथे बच्चे का स्वागत किया है। अर्जुन की गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स पिछले कुछ दिनों से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई थी। वहीं, अब उन्होंने एक बटे को जन्म दिया है। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल के घर ढेर सारी खुशियां आई है। एक्टर चौथी बार पिता बने हैं। गुरुवार को उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने एक बेटे को जन्म दिया है इसके बाद अर्जुन रामपाल ने सोशल मीडिया के जरिए एक क्यूट पोस्ट शेयर करके नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की। अर्जुन रामपाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के साथ अपनी इस खुशी को शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में एक बेबी टावल की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा है- हैलो वर्ल्ड और विनी-द-पूह का कार्टून बना हुआ। ुन रामपाल और उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स पिछले कई सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। एक्टर अपनी पहली पत्नी मेहर जेसिया से तलाक के बाद से गैब्रिएला के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों को पहले से एक बेटा अरिक है, जो हाल ही में चार साल का हुआ है। अर्जुन ने बेटे को विश करने के लिए मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी शेयर किया था। अर्जुन रामपाल ने पहली शादी सुपर मॉडल मेहर जेसिया से की थी। दोनों की दो बेटियां मिहिका रामपाल और मायरा रामपाल हैं। अर्जुन और मेहर ने शादी के 21 सालों बाद 2019 में तलाक ले लिया था, जिसके बाद एक्टर ने गैब्रिएला को डेट करना शुरु किया। अर्जुन रामपाल के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द अब्बास मस्तान की फिल्म पेंटहाउस में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ बॉबी देओल भी हैं। इसके अलावा उनके पास स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक भी है। क्रैक में अर्जुन के साथ विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडीज भी हैं।

निक्की तम्बोली ने कॉस्मेटिक सर्जरी से लेकर भाई-भतीजावाद पर रखी अपनी राय, कही ऐसी बातें

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिग बॉस 14 की पूर्व कंटेस्टेंट और साउथ सिनेमा की अभिनेत्री निक्की तंबोली अक्सर अपने बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक मॉडल के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली निकी आज लाखों दिलों पर राज करती हैं। साल 2019 में तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकती गाडिलो चितकोटुडु से फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली निक्की तंबोली जल्द कई नए प्रोजक्ट्स में नजर आने वाली हैं। बिग बॉस 14 से निक्की को हिंदी इंडस्ट्री में खास पहचान मिली । इस बीच अब एक्ट्रेस ने जागरण से खास बातचीत में अपनी लाइफ को लेकर कई खुलासे किए। फिल्मों में उनकी शुरुआत साल 2019 में तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म 'चिकती गाडिलो चितकोटुडु' से हुई थी। साउथ में अब तक वह एक्शन हॉरर फिल्म 'कंचना 3' और 'थिप्पारा मीसम' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इस बीच अब एक्ट्रेस ने से खास बातचीत में अपनी लाइफ को लेकर कई खुलासे किए। बिग बॉस से पहचान मिलने के बाद, आप कई शोज में नजर आई। हम आपको बॉलीवुड फिल्म में कब देखने की उम्मीद कर सकते हैं इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मैं निश्चित रूप से अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं और अच्छे निर्देशकों और अभिनेताओं के साथ काम करना चाहती हूं। मुझे विश्वास है कि यह बहुत जल्द होगा। इंडस्ट्री में अभिनेताओं के बीच कॉस्मेटिक सर्जरी कितनी पॉपुलर है क्या आप मानते हैं कि सुंदरता के लेवल क्या है मेरा विश्वास है कि 'सुंदरता देखने वाले की आंखों में होती है' और साथ ही, जो चीज मुझे पसंद आ सकती है, जरूरी नहीं कि वह आपको अच्छी लगे। हमें भगवान ने एक तरीके से बनाया है और मुझे जो सबसे खूबसूरत चीज लगती है वह है उसे अपनाना। बेशक, ऐसे तरीके हैं जिनसे आप उस सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। यह एक व्यक्ति की अधिक पसंद है। बेहतर दिखने की चाह रखने में बिल्कुल भी कोई बुराई नहीं है। यदि कोई इसके बाद अपने व्यक्तित्व के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करता है तो क्यों नहीं दिन के अंत में, एक व्यक्ति जो ऐसा करने को तैयार है, वह किसी और से बेहतर जानता है कि उसे क्या सूट करेगा और क्या नहीं। कॉस्मेटिक सर्जरी पुरुषों में भी समान रूप से आम बात है। तो, इस केवल महिलाओं के बारे में ही बात क्यों करें। सोशल मीडिया पर, जब आप खुद को फैशन के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं, तो कुछ लोग प्यार दिखाते हैं, जबकि कई लोग मजाक उड़ाता है। आप इसे कैसा समझती हैं इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मैं ऐसी व्यक्ति हूं जो कभी किसी के लिए नहीं बदलूंगी। यदि कोई मुझे उस रूप में पसंद नहीं करता जैसी मैं हूं, तो ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे से कहीं अधिक उनके बारे में है। मैं किसी के लिए नहीं बदल सकती, न ही बदलूंगी। मैं हमेशा निःसंकोच और क्षमाप्रार्थी रूप से वैसी ही रही हूं और आगे भी वैसा ही रहूंगा। मैं केवल इतना ही कह सकती हूं कि अगर कोई यह सोचकर मेरा मजाक उड़ाता है या मुझे ट्रोल करता है कि वे अपनी मानसिकता पर काबू पाने में सफल हो जाएंगे, तो वो गलत हैं और केवल अपना समय और ऊर्जा बर्बाद कर रहे हैं। फिल्मी बैकग्राउंड से न होने पर, क्या आप इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद के प्रभाव को महसूस करती हैं देखिए, मुझे लगता है कि इसे देखने के दो तरीके हैं।

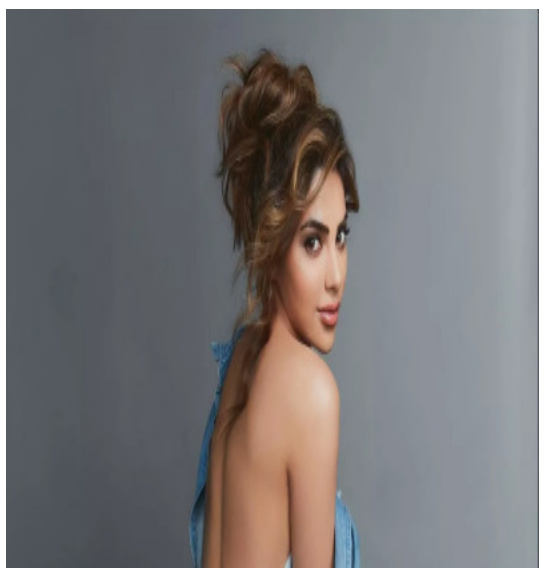

यू-ट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं टॉप की शॉर्ट फिल्में, ये लंबी फिल्मों से कई गुना अच्छी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कई सारे सिनेमा लवर्स हैं, जो ढाई घण्टे की लंबी फिल्म नहीं देख पाते हैं। बहुत बार उनके पास वक्त की कमी रहती है, कई बार वे लंबी फिल्म देखकर उकता जाते हैं। लेकिन अब सिनेमा ने इतनी तरक्की कर ली है कि हर वर्ग के लिए उनके पास कुछ न कुछ होता है। जिन दर्शकों के पास समय कम होता है वे शॉर्ट फिल्में देख सकते हैं, जो ज्यादा से ज्यादा आधे घण्टे मिनट में निपट जाती हैं। शॉर्ट फिल्में कम समय में बड़ा प्रभाव छोड़ जाती हैं। आजकल इनका क्रेज भी जोरो पर है। हिंदी सिनेमा में एक से बढ़कर एक शॉर्ट फिल्म है, जो आप यू-ट्यूब पर फ्री में ही देख सकते हैं। यह हिंदी की सबसे बेहतरीन शॉर्ट फिल्म्स में से एक है। इसमें एक ऐसे परिवार की कहानी दिखाई गई है जिसे 1947 के बंटवारे के दौरान न चाहते हुए भी हिंदुस्तान छोड़कर पाकिस्तान जाना पड़ता है। वे अपना घर और सामान एक हिंदू सेठ को दे देते हैं, जो उन्हें हेय दृष्टि से देखता है। हालांकि, अंत में उसका उस परिवार के प्रति पूरी तरह नजरिया बदल जाता है। यह फिल्म 29 मिनट की है, लेकिन इसे देखने के बाद आप खुद में एक परिवर्तन महसूस करेंगे। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे कपल के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो बरसों पहले कुछ मजबूरियों के चलते अलग हो गया था। लेकिन कई साल बाद वे फिर से कोलकाता के उसी कैफे में मिलते हैं, जहां उनकी आखिरी मुलाकात हुई थी। दोनों बूढ़े हो चुके हैं, लेकिन एक-दूसरे के प्रति अब भी उतना ही प्रेम है। 13 मिनट की फिल्म में ये देखना दिलचस्प है कि इस बार उनका मिलन हो पाता है या नहीं। यह एक ऐसे वीमेन एक्टिविस्ट की कहानी है, जिसे अपने काम के लिए पद्मश्री मिलने वाला है। लेकिन तभी वह एक लड़की से मिलता है और उसकी जिंदगी में भूचाल आ जाता है। फिर आत्मग्लानि के चलते वह सुसाइड कर लेता है। 21 मिनट की इस शॉर्ट फिल्म में रिश्तों की उलझी हुई कहानी के साथ खोखली प्रसिद्धि के बारे में दिखाया गया है। यह शॉर्ट फिल्म काफी खास है, यह बिन कहे भी बहुत कुछ कह देती है। फिल्म में एक ऐसी हाउसवाइफ की कहानी है जो अपने पति और उनके मेहमानों की आवभगत करने में लगती है। महिलाओं और पुरुषों के जीवन का अंतर इसमें साफ तौर पर दिखाया गया है।

'प्रोजेक्ट के की पहली झलक आई सामने, अमिताभ- दीपिका और प्रभास के साथ टाइटल हुआ रिवील

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रोजेक्ट ख् साल 2023 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। हाल ही में फिल्म से प्रभास का फर्स्ट लुक जारी किया गया था। वहीं, गुरुवार को मेकर्स ने सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में प्रोजेक्ट ख् की पहली झलक जारी की। इवेंट में फिल्म का टाइटल, रिलीज डेट और टीजर रिलीज किया गय प्रोजेक्ट ख् के की इस पहली झलक में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण के लुक देखने को मिले। फिल्म के नाम को लेकर काफी वक्त से सस्पेंस बना हुआ था कि आखिरकार प्रोजेक्ट ख् में ख् का क्या मतलब है। वहीं, जॉनर की बात करें तो प्रोजेक्ट ख् एक साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म है। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन इवेंट के दौरान मेकर्स ने खुलासा किया कि प्रोजेक्ट ख् का मतलब काल्कि 2898ँ3 है। प्रोजेक्ट ख् के इस वीडियो में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और प्रभास भविष्य की दुनिया में दिखाई दे रहे हैं और युद्ध जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। यहां देखें प्रोजेक्ट की पहली झलक. प्रोजेक्ट ख् की पहली झलक सामने आने के साथ फिल्म सैन डिएगो कॉमिक-कॉन (एञण्) 2023 में डेब्यू करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई। इस इवेंट से पहले प्रोजेक्ट ख् की अपडेट न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में स्थित बिलबोर्ड पर भी दिखाई गई थी, जहां लिखा था-ठ20 जुलाई को पहली झलकठ। प्रोजेक्ट ख् के मेकर्स ने सैन डिएगो कॉमिक-कॉन इवेंट में फिल्म की पहली झलक के साथ रिलीज का भी खुलासा किया। प्रभास की ये फिल्म बीते साल से चर्चा में बनी हुई है, लेकिन फैंस को अभी थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रोजेक्ट ख् 2024 में रिलीज होगी। प्रोजेक्ट ख् से प्रभास के बाद अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण के लुक सामने आ चुके हैं। इनके अलावा फिल्म में दिशा पाटनी, साउथ एक्टर सूर्या और कमल हासन भी हैं। प्रोजेक्ट ख् का डायरेक्शन नाग अश्विन ने किया है। उन्होंने ही फिल्म की कहानी भी लिखी है। वहीं, प्रोडक्शन वैजयंती मूवीज के तहत सी. असवानी दत्त कर रहे हैं। नाग अश्विन के डायरेक्शन में बन रही फिल्म प्रोजेक्ट ख् काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई है। कुछ दिनों पहले फिल्म से प्रभास का फर्स्ट लुक रिलीज किया गया था। वहीं अब प्रोजेक्ट ख् की पहली झकक जारी कर दिया गया है। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2023 इवेंट में प्रोजेक्ट ख् की पहला झलक रिलीज की गई है।

पूजा के प्यार में पागल हुआ रॉकी, इस दिन होगी दोनों की मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एक्टर आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल 2 लेकर आ रहे हैं।

फिल्म रिलीज से पहले एक नया वीडियो सामने आया है। जो आपको हंसा-हंसा कर लोटपोट कर देगा। इस वीडियो में पूजा और रॉकी के बीच हुई एपिक बातचीत होती नजर आ रही हैं। आयुष्मान पूजा बनकर अपने दोस्त रॉकी से बात करती है। ये रॉकी कोई और नहीं बल्कि फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के रणवीर सिंह हैं। ये कहा जा सकता है कि पूजा के दीवानों की लिस्ट में रॉकी की भी एंट्री हो गई है। दोनों के बीच एक अलग लेवल का क्रेज देखा जा रहा है। इस वीडियो को आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। वीडियो में आयुष्मान, पूजा बनकर अपने दोस्त रॉकी से बात करती है। ये रॉकी कोई और नहीं बल्कि फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के रणवीर सिंह हैं। ये कहा जा सकता है कि पूजा के दीवानों की लिस्ट में रॉकी की भी एंट्री हो गई है। ऐसे में दोनों के बीच एक अलग लेवल का क्रेज देखा जा रहा है। इस वीडियो में पूजा यानी आयुष्मान को रॉकी की कॉल आती है जिसमें वो पूछती है आप कौन बोल रहे हैं। इसका जवाब आता है मैं रॉकी बोल रहा हूं मेरी रानी। इसके बाद पूजा कहती हैं ओमाई गॉड, फिर रॉकी कहता है लाल साड़ी में क्या जहर लग रही हो मेरी जानेमन.... जिसका जवाब देते पूजा कहती मेरे पास एक ही है मैं नहीं दुंगी। फिर रॉकी कहता है साड़ी नहीं तू चाहिए.... जिस पर पूजा कहती है, पूजा एक त्यौहार है 25 को इस बार है।

'वर्ल्ड वॉर 2 ' के जरिए जीवन का सबक सिखाती है वरुण धवन-जाह्नवी कपूर की फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। सिनेमा मनोरंजन के साथ अहम संदेश पहुंचाने का भी जरिया है। सिनेमा की ताकत से फिल्ममेकर नितेश तिवारी बखूबी वाकिफ है। यही वजह है कि चिल्लर पार्टी, दंगल और छिछोरे के बाद वह बवाल में मनोरंजन के साथ सार्थक संदेश देने में कामयाब रहे हैं। कहानी लखनऊ में हाई स्कूल में इतिहास के अध्यापक अज्जू भैया उर्फ अजय दीक्षित (वरूण धवन) और उनकी पत्नी निशा दीक्षित (जाह्नवी कपूर) की है। अज्जू दिखावट की जिंदगी में भरोसा रखता है। अपनी छवि को चमकाने के लिए आसपास के लोगों से बहुत सारे झूठ बोल रखे हैं। वह हर किसी सभी को ज्ञान बांटते हैं, लेकिन बच्चों को पढ़ाने में मन नहीं लगता। उनके आसपास के लोग उनसे प्रभावित हैं, लेकिन असल में अज?जू खुद से काफी निराश हैं। अपने दोस्त बिपिन (प्रतीक पचौरी) के साथ वह अपनी सच्चाई को कई बार स्वीकार करता है। निशा और अज्जू के बीच पति-पत्नी जैसे संबंध नहीं हैं। उसकी भी वजह है। अक्सर दोनों के बीच कहासुनी हो जाती है। पारिवारिक कलह के बीच एक दिन अज्जू स्कूल में एक छात्र को थप्पड़ मार देता है। यह छात्र स्थानीय विधायक (मुकेश तिवारी) का बेटा होता है। उसे नौकरी से निलंबित कर दिया जाता है। अज्जू की नौकरी पर तलवार लटकने लगती है। हालांकि, उसी दौरान उसे द्वितीय विश्व युद्ध के बारे में बच्चों को पढ़ाना होता है। अपनी नौकरी बचाने और परिजनों को खुश करने के लिए अज्जू यूरोप भ्रमण की योजना बनता है। वह निशा के साथ द्वितीय विश्वयुद्ध के घटनास्थल पेरिस, नारमैंडी, एम्सटर्डम, बर्लिन, आशिवत्ज जाता है। इन घटनास्थलों पर जाकर वह बच्चों को उसके बारे में बताता है। खैर वहां जाने पर क्या अज और निशा के बीच की दूरियां मिटेगी इस यात्रा से क्या जीवन के कुछ सबक सीख पाएगा क्या वह अपनी नौकरी बचा पाएगा फिल्म इस संबंध में है। कैसा है फिल्म की स्क्रीनप्ले यह महज इत्तेफाक है कि शुक्रवार को रिलीज फिल्म परमाणु बम के जनक जे रॉबर्ट ओपेनहाइनर की जिंदगी पर आधारित है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए परमाणु बम बनाया था। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म द्वितीय विश्व युद्ध से उन स्थलों पर जाती है, जहां पर युद्ध की कड़वी यादें आज भी ताजा है। द्वितीय विश्व युद्ध की कहानियां तो सभी ने पढ़ी हैं, लेकिन इतिहास से सबक लेना जरूरी है। कहते हैं कि जो लोग इतिहास को भुला देते हैं, वे उसे दोहराने को अभिशप्त रहते हैं, लेकिन अगर मनुष्य अपने बीते कल से सीख प्राप्त कर ले तो आने वाले कल की नींव कायम कर सकता है। यही सबक अश्विनी अय्यर तिवारी लिखित 'बवाल' में बहुत मनोरंजक अंदाज में नितेश ने देने की कोशिश की है।एक तरफ अजय और निशा की जिंदगी है। दूसरी ओर द्वितीय विश्व युद्ध के सबक इन दोनों को स्क्रीनप्ले में मिलाकर बिना किसी भाषणबाजी के जीवन का अर्थ समझाने की कोशिश की है। एक जगह अजय कहता है- निखिल मल्होत्रा, श्रेयस जैन, पीयूष गुप्ता और नितेश तिवारी द्वारा लिखित संवाद और स्क्रीनप्ले में द्वितीय विश्व की घटनाओं को आज की युवा पीढ़ी के प्रतिनिधि के तौर पर अज्जू और निशा के साथ जिस प्रकार से जोड़ा है, वह वाकई काबिले तारीफ है। संवाद बहुत प्रभावी हैं। इन घटनाओं के साथ जीवन का सबक देने का प्रयोग शानदार है। शुरुआत में फिल्म कहीं-कहीं थोड़ा धीमी गति से चलती है, लेकिन मध्यांतर के बाद कहानी तेजी से रफ्तार पकड़ती है। इस दौरान एक दृश्य में द्वितीय विश्व युद्ध के पीड़ित अपनी आपबीती सुना रहे होते हैं। निशा अज्जू को उसका हिंदी में अनुवाद करके बताती है। उसे करते हुए जहां उसकी आंखों में आंसू आ जाते हैं, वहीं दर्शक भी भावुक हो जाते हैं। इसी तरह पोलैंड में बनाया गया आशिवत्ज शिविर जहां द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान युद्धबंदियों को गैस चैंबर में डालकर मौत के घाट उतारा जाता था। वह सीन हृदय विदारक है।बहरहाल, अपनी छवि के प्रति बेहद सजग रहने से लेकर केयरिंग पति की भूमिका में आने तक, अज्जू की भूमिका में वरूण धवन का अभिनय प्रशंसनीय है। उन्होंने अज्जू के दोहरे जीवन जीने के चरित्र को बहुत सधे अंदाज में दर्शाया है। निशा की भूमिका में जाह्नवी कपूर प्रभावित करती हैं। अच्छी बात यह है कि उनके किरदार को कहीं बेचारी नहीं दिखाया गया है। वह पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर हैं। अज्जू के साथ सामान्य संबंध न होने पर भी वह हिम्मत नहीं हारती है। निराशा में नहीं डूबती है। जाह्नवी की आवाज उनके किरदार को प्रभावी बनाने में मददगार साबित होती है। पिता की भूमिका में मनोज पाहवा बेजोड़ हैं। अज्जू के दोस्त की भूमिका में प्रतीक पचौरी की भूमिका में उनका अभिनय शानदार है। स्क्रीन पर आते ही वह सबके चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं। उनका यह कहना, 'भैया आपसे बहुत कुछ सीखना बाकी है शानदार है।' यह सुनकर आप मुस्कुराए बिना नहीं रह पाते। बाकी सहयोगी भूमिकाओं में आए कलाकार मुकेश तिवारी, अंजुम सक्सेना, शशि वर्मा, व्यास हेमंग का काम उल्लेखनीय है। फिल्म का गीत संगीत भी कहानी के अनुरूप है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।